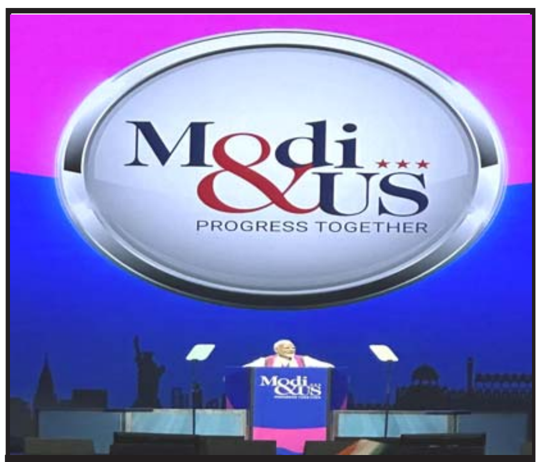

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के न्यूयॉर्क में भारतीय प्रवासियों को संबोधित किया। लॉन्ग आईलैंड के नासाउ कोलिजीयम में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम ने कई बड़े एलान किए।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक:140 दिनांक:23-09-2024 सोमवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

भारतीय महिला टीम ने बुडापेस्ट में जारी शतरंज ओलंपियाड 2024 में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। इससे पहले पुरुष टीम ने भी स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। अब महिलाओं ने भारत को दोहरी खुशी दी है।

'भारत अब पीछे नहीं चलता, नई व्यवस्थाएं बनाता है और नेतृत्व करता है', न्यूयॉर्क में बोले पीएम मोदी

न्यूयॉर्क : प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि 'अमेरिकन इंडियन स्पिरिट है और यही दुनिया का एआई पावर है। यही एआई स्पिरिट ही भारत-अमेरिका के रिश्तों को नई ऊंचाई दे रहा है। अमेरिकन इंडियन स्पिरिट है और यही दुनिया का एआई पावर है। यही एआई स्पिरिट ही भारत-अमेरिका के रिश्तों को नई ऊंचाई दे रहा है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि 'अब अपना नमस्ते भी मल्टीनेशनल हो गया है। लोकल से ग्लोबल हो गया है और ये सब आपने (विदेश में रहने वाले भारतीयों ने) किया है। अपने दिल में भारत को बसा कर रखने वाले हर भारतीय ने ये किया है। मैं हमेशा से आपके (भारतीय डायस्पोरा) सामर्थ्य को समझता रहा हूं।' प्रधानमंत्री ने कहा कि 'आप मेरे लिए हमेशा से भारत के सबसे मजबूत ब्रांड एंबेसेडर रहे हैं। इसलिए मैं आप सबको राष्ट्रदूत कहता हूं।'

'भाषा अनेक हैं, लेकिन भाव एक- भारतीयता'

प्रधानमंत्री ने कहा कि 'हम भारतीय जहां भी जाते हैं, सबको परिवार मानकर उनसे घुल-मिल जाते हैं। डायवर्सिटी को समझना, जीना, उसे अपने जीवन में उतारना... ये हमारे संस्कारों में है। कोई तमिल बोलता है... कोई तेलुगु, कोई मलयालम, तो कोई कन्नड़... कोई पंजाबी, कोई मराठी तो कोई गुजराती... भाषा अनेक हैं, लेकिन भाव एक है... और वो भाव है- भारतीयता। हम उस देश के वासी हैं, जहां सैकड़ों भाषाएं और बोलियां हैं, दुनिया के सारे मत और पंथ हैं। फिर भी हम एक बनकर, नेक बनकर आगे बढ़ रहे हैं। दुनिया के साथ जुड़ने के लिए ये हमारी सबसे बड़ी ताकत है। यही मूल्य, हमें सहज रूप से ही विश्व-बंधु बनाती हैं।'

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि 'भारत आज अवसरों की धरती है। भारत अब अवसरों का इंतजार नहीं करता, अवसरों का निर्माण करता है। आज भारत का 5जी मार्केट अमेरिका से भी बड़ा हो चुका है और ये सिर्फ दो साल के भीतर हुआ है।'

'पुष्प की पांच पंखुड़ियां मिलकर विकसित भारत बनाएंगी'

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि '2024 का ये साल, पूरी दुनिया के लिए बहुत अहम है। एक तरफ दुनिया के कई देशों के बीच संघर्ष है, तनाव है तो दूसरी तरफ कई देशों में लोकतंत्र का जश्न चल रहा है। भारत और अमेरिका लोकतंत्र के जश्न में भी एक साथ है। आपको एक शब्द याद रहेगा इळएफ्झ (पुष्प) पी मतलब प्रोग्रेसिव भारत, यू मतलब अनस्टोपेबल भारत, एस मतलब स्प्रिचुअल भारत, एच मतलब ह्युमैनिटी फर्स्ट को समर्पित भारत, पी मतलब प्रोस्पैरस (समृद्ध) भारत। इळएफ्झ- पुष्प की पांच पंखुड़ियां मिलकर ही विकसित भारत बनाएंगी। हम देश के लिए मर नहीं पाए, लेकिन हम देश के लिए जी जरूर सकते हैं।'

उन्होंने कहा कि 'पहले दिन से मेरा मन और मिशन एकदम क्लीयर रहा है। मैं स्वराज्य के लिए जीवन नहीं दे पाया, लेकिन मैंने तय किया सुराज और समृद्ध भारत के लिए जीवन समर्पित करूंगा। आज भारत दुनिया के सबसे बड़े युवा देशों में से एक है। भारत एनर्जी से भरा हुआ है, सपनों से भरा हुआ है। एक दशक से भारत, 10वें नंबर से पांचवें नंबर की इकोनॉमी बन गया है। अब हर भारतीय चाहता है कि भारत जल्दी से तीसरे नंबर की सबसे बड़ी इकोनॉमी बने।'

'भारत अब पीछे नहीं चलता बल्कि नेतृत्व करता है'

'भारत आज अवसरों की धरती है। भारत अब अवसरों का इंतजार नहीं करता, अवसरों का निर्माण करता है। आज भारत का 5जी मार्केट अमेरिका से भी बड़ा हो चुका है और ये सिर्फ दो साल के भीतर हुआ है। अब भारत 'मेड इन इंडिया' 6जी पर काम कर रहा है। अब भारत पीछे नहीं चलता, नई व्यवस्थाएं बनाता है और नेतृत्व करता है। भारत ने [illegible] (अझ्ह) का नया कॉन्सेप्ट दुनिया को दिया है। भारत अब रुकने वाला नहीं है, भारत अब थमने वाला नहीं है। भारत चाहता है कि दुनिया में ज्यादा से ज्यादा डिवाइस मेड इन इंडिया चिप पर चले।'

लेनदेन शुल्क लगा तो 75 प्रतिशत उपयोगकर्ता यूपीआई बंद कर देंगे: सर्वे

- सर्वे में 308 जिलों से 42,000 प्रतिक्रियाएं मिली

नई दिल्ली (ईएमएस)। यूपीआई सेवा पर यदि लेनदेन शुल्क लगाया जाता है, तो 75 प्रतिशत उपयोगकर्ता इसका उपयोग करना बंद कर देंगे। हाल ही में जारी ?किए गए एक सर्वेक्षण में यह निष्कर्ष निकाला गया है। सर्वेक्षण के अनुसार 38 प्रतिशत उपयोगकर्ता अपना 50 प्रतिशत भुगतान लेनदेन डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड या किसी अन्य प्रकार के डिजिटल माध्यम के बजाय यूपीआई के जरिये करते हैं। सर्वे कहता है कि सिर्फ 22 प्रतिशत यूपीआई उपयोगकर्ता भुगतान पर लेनदेन शुल्क का बोझ उठाने को तैयार हैं। वहीं 75 प्रतिशत लोगों ने कहा कि अगर लेनदेन शुल्क लगाया जाता है, तो वे यूपीआई का उपयोग करना बंद कर देंगे। यह सर्वे तीन व्यापक क्षेत्रों पर किया गया है। इसमें 308 जिलों से 42,000 प्रतिक्रियाएं मिली हैं। हालांकि प्रत्येक प्रत्येक प्रश्न पर उत्तरों की संख्या अलग-अलग थी। यूपीआई पर लेनदेन शुल्क से संबंधित प्रश्न को लेकर 15,598 प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुईं। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने 2023-24 में इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में लेन-देन की मात्रा में रिकॉर्ड 57 प्रतिशत और मूल्य में 44 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। पहली बार किसी वित्त वर्ष में यूपीआई लेन-देन 100 अरब को पार कर गया है। यह 2023-24 में 131 अरब रहा, जबकि 2022-23 में यह 84 अरब था। रिपोर्ट में कहा गया है कि मूल्य के लिहाज से यह 1,39,100 अरब रुपये से बढ़कर 1,99,890 अरब रुपये पर पहुंच गया है। सर्वे के अनुसार 37 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने मूल्य के लिहाज से अपने कुल भुगतान के 50 प्रतिशत से अधिक के लिए यूपीआई लेन-देन खातों को साझा किया। सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा गया है ?कि यूपीआई तेजी से 10 में से चार उपभोक्ताओं के भुगतान का अभिन्न अंग बन रहा है। इसलिए किसी भी तरह का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष लेनदेन शुल्क लगाए जाने का कड़ा विरोध हो रहा है। लोकल सर्किल्स इस सर्वेक्षण के निष्कर्षों को वित्त मंत्रालय और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ आगे बढ़ाएगा, ताकि किसी भी एमडीआर शुल्क की अनुमति देने से पहले यूपीआई उपयोगकर्ता की नब्ज को ध्यान में रखा जा सके। यह सर्वे 15 जुलाई से 20 सितंबर के बीच ऑनलाइन आयोजित किया गया था।

अमेरिका संग भारत की मेगा ड्रोन डील

आकाश और समंदर का गार्जियन खरीदेगा भारत

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिवसीय अमेरिका के दौरे पर हैं। उन्होंने क्वाड समिट में शिरकत की। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ एक अहम द्विपक्षीय भी की। इस बैठक में दोनों नेताओं ने वैश्विक और रणनीतिक गठबंधन को और मजबूत करने पर बात की। भारत ने अमेरिका से आकाश और समुद्र की सुरक्षा के लिए एमक्यू-9बी गार्जियन ड्रोन खरीदा है, जो कि मेगा डील में शामिल है।

खासतौर पर रक्षा सहयोग पर केंद्रित इस बैठक में दोनों नेताओं ने कई अहम समझौतों पर चर्चा की, जो भारत-अमेरिका की शांति और सुरक्षा को मजबूत करेंगे। पीएम मोदी के साथ बैठक में राष्ट्रपति बाइडेन भारत द्वारा द्वारा 31 एमक्यू9बी ड्रोन की खरीदारी के लिए सराहना की। इन एडवांस्ड ड्रोन्स से भारत की इंटेलिजेंस, सर्विलांस, और रिकोनाइसेंस क्षमताओं में वृद्धि होगी। इनमें 16 ड्रोन्स स्काई गार्डियन (हवाई सुरक्षा के लिए) और सी गार्डियन (समुद्री सुरक्षा के लिए) हैं। इस कदम से भारत के सुरक्षा बलों को धरती, समुद्र और वायु क्षेत्र में मजबूत करने में मदद मिलेगी।

एडवांस्ड मिलिट्री सिस्टम का को-प्रोडक्शन

दोनों नेताओं ने इंडिया-अमेरिका डिफेंस इंडस्ट्रियल कोऑपरेशन रोडमैप को सराहा। इस रोडमैप के तहत जेट इंजन, गोला-बारूद और ग्राउंड मोबिलिटी सिस्टम जैसे भारी एक्वीपमेंट्स और हथियारों का निर्माण किया जाता है। इस अहम सहयोग में लिक्विड रोबोटिक्स और भारत के सागर डिफेंस इंजीनियरिंग, मेरिटाइम सुरक्षा को बढ़ाने के लिए मानवरहित सतही वाहनों के प्रोडक्शन पर भी जोर दिया जाएगा।

साइबर स्पेस डिफेंस कोऑपरेशन

दोनों नेताओं ने एडवांस डिफेंस क्षेत्र सहति साइबर एंड स्पेस क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा की। नवंबर 2024 में आयोजित होने वाले साइबर एंगेजमेंट में थ्रेट इन्फोर्मेशन शेयरिंग, साइबर सिक्योरिटी ट्रेनिंग और क्रिकिटकल इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोटेक्शन पर फोकस रहेगा। इनके अलावा मई 2024 में आयोजित किए गए यूएस-इंडिया एडवांस्ड डोमेस डिफेंस डील में डिफेंस क्षेत्र में कई बड़े एक्सरसाइज पर फोकस था, जिससे स्पेस सिक्योरिटी क्षेत्र को बढ़ावा मिला है।

भविष्य के विजन

जैसा कि भारत और अमेरिका लगातार डिफेंस रणनीतियों पर अपना सहयोग बढ़ा रहे हैं, तो इस सहयोग से उम्मीद की जा रही है कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र और ज्यादा फ्री और ओपन रहेगा। इनोवेशन, टेक्नोलॉजी और म्यूचुअल डिफेंस पर फोकस से दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग, वैश्विक शांति और सुरक्षा को बढ़ाने में मदद मिलेगा।

शंकराचार्य ने नहीं किए रामलला के दर्शन, बोल

राम मंदिर अभी अधूरा, पूरा होने पर करूंगा दर्शन

अयोध्या (ईएमएस)। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने अयोध्या से गो-प्रतिष्ठा आंदोलन की शुरुआत की। शंकराचार्य ने सबसे पहले रामकोट की परिक्रमा की। फिर जानकीघाट पर चारूशिला मंदिर में गो-ध्वज स्थापित किया। लेकिन, राम मंदिर में रामलला का दर्शन करने नहीं गए। उन्होंने कहा कि हमने प्रण लिया है कि जब तक राम मंदिर निर्माण पूरा नहीं हो जाता, तब तक मैं दर्शन नहीं करूंगा। मंदिर के पूर्ण निर्माण के बाद राष्ट्रमाता (गाय) के दूध से भरा कटोरा लेकर रामलला के दर्शन करने जाएंगे।

शंकराचार्य ने कहा कि अभी मंदिर का निर्माण पूरा नहीं हुआ है। मंदिर जाने से पहले सबसे पहले ध्वज का दर्शन करना होता है। अभी ध्वज दर्शन के लिए उपलब्ध नहीं है। कलश दर्शन के लिए उपलब्ध नहीं है। वहां जाकर क्या दर्शन करेंगे? जो दर्शन कर रहे हैं, वह श्रद्धालु हैं, हम जिम्मेदार व्यक्ति हैं।

क्वाड देश के सदस्य साझा लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार पर आगे बढ़ें: पीएम मोदी

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। क्वाड समूह की बैठक अमेरिका में हो रही है। इस समूह की स्थापना अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन की सोच का परिणाम है। नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनावों को देखते हुए, सवाल उठता है कि क्या नए राष्ट्रपति इस समूह को जारी रखेंगे। इस संदर्भ में, जो बाइडेन ने पीएम नरेंद्र मोदी के कंधों पर हाथ रखते हुए विश्वास दिलाया कि यह नवंबर के आगे भी चलता रहेगा। पीएम नरेंद्र मोदी तीन दिन के अमेरिकी दौरे पर हैं और उन्होंने राष्ट्रपति जो बाइडेन से मुलाकात के बाद विलमिंग्टन, डेलावेयर में आयोजित क्वाड सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस सम्मेलन में जापान के पीएम फुमियो किशिदा और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज़ भी शामिल हुए हैं।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनावी मैदान में हैं, जिसमें कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप प्रमुख हैं। जापान के पीएम किशिदा ने भी चुनाव न लड़ने का ऐलान किया है। इसका मतलब यह है कि अगले क्वाड समिट में केवल भारत और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री पुराने नेताओं के रूप में मौजूद रहेंगे, जबकि अमेरिका और जापान का प्रतिनिधित्व नए नेता करेंगे।

पीएम मोदी ने 2025 में भारत में क्वाड लीडर्स के शिखर सम्मेलन की मेज़बानी करने की पेशकश की। उन्होंने अपने संबोधन में साझा किया कि एक स्वतंत्र, खुला और समावेशी इंडो-पैसिफिक क्षेत्र क्वाड की साझा प्राथमिकता है। मोदी ने कहा कि हम ऐसे समय में मिल रहे हैं, जब दुनिया तनाव और संघर्षों से घिरी है। ऐसे में, यह पूरी मानवता के लिए अहम है कि क्वाड के सदस्य साझा लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार पर आगे बढ़ें।

यह सम्मेलन केवल एक रणनीतिक बातचीत का मंच नहीं है, बल्कि वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए सामूहिक निर्णय लेने का एक अवसर भी है। पीएम मोदी की मेज़बानी की पेशकश और बाइडेन का आश्वासन इस समूह के भविष्य को लेकर उम्मीद जगाते हैं, भले ही आने वाले चुनावों में नेतृत्व में बदलाव हो। क्वाड की भूमिका और उसके भविष्य के लिए यह समय महत्वपूर्ण है, जिसमें सदस्य देशों को सामूहिक रूप से अपनी प्राथमिकताओं और प्रतिबद्धताओं पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

महिलाओं ने शतरंज ओलंपियाड में जीता स्वर्ण,ओपन वर्ग मेंरचा इतिहास

नई दिल्ली : भारतीय महिला टीम ने बुडापेस्ट में जारी शतरंज ओलंपियाड 2024 में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। इससे पहले पुरुष टीम ने भी स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। अब महिलाओं ने भारत को दोहरी खुशी दी है।

भारतीय महिला टीम ने बुडापेस्ट में जारी शतरंज ओलंपियाड 2024 में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। इससे पहले पुरुष टीम ने भी स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। अब महिलाओं ने भारत को दोहरी खुशी दी है। महिला टीम में हरिका द्रोणावल्ली, वैशाली रमेशबाबू, दिव्या देशमुख, वंतिका अग्रवाल, तानिया सचदेव शामिल थीं। वहीं, अभिजीत कुंटे कप्तान हैं। ओपन वर्ग में भारतीय मिला टीम की जीत अमेरिका द्वारा कजाकिस्तान की हार पर निर्भर थी। रविवार को अमेरिका द्वारा अपने प्रतिद्वंद्वी को 1-1 से बराबरी पर रोकने के बाद भारत को विजेता घोषित किया गया।

भारतीय महिला टीम ने चेन्नई में 2022 के चरण में कांस्य पदक जीता था। मौजूदा टूर्नामेंट में भारतीय महिलाओं ने अजरबेजान को 3.5-0.5 से हराकर देश के लिए स्वर्ण पदक हासिल किया। डी हरिका ने पहले बोर्ड पर तकनीकी श्रेष्ठता दिखाई और दिव्या देशमुख ने एक बार फिर अपने प्रतिद्वंद्वी को पछाड़कर तीसरे बोर्ड पर अपना व्यक्तिगत स्वर्ण पदक पक्का किया। आर वैशाली के ड्रॉ खेलने के बाद वंतिका अग्रवाल की शानदार जीत से भारतीय टीम ने स्वर्ण पदक सुनिश्चित किया।

पुरुष टीम ने भी जीता सोना

इससे पहले रविवार को पुरुष टीम ने भी स्वर्ण पदक जीता। टीम ने ओपन वर्ग में स्वर्ण जीतकर इतिहास रच दिया। भारतीय पुरुष टीम में गुकेश, प्रज्ञानंद, अर्जुन एरिगैसी, विदित गुजराती, पेंटाला हरिकृष्णा और श्रीनाथ नारायणन (कप्तान) शामिल थे। इस टूर्नामेंट में यह भारतीय पुरुष टीम का पहला स्वर्ण है। इससे पहले भारत ने 2022 में कांस्य पदक जीता था। यह टूर्नामेंट घरेलू सरजमीं पर ही आयोजित किया गया था। वहीं, 2014 में भारतीय टीम ने कांस्य पदक जीता था।

भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शतरंज ओलंपियाड 2024 में भारत की पुरुष और महिला टीम को स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई दी। पीएम ने कहा कि यह सदी में पहली बार हुआ है। बता दें कि, पीएम मोदी इन दिनों अमेरिका के दौरे पर हैं। उन्होंने न्यूयॉर्क के इनडोर स्टेडियम में भारतीयों को संबोधित करते हुए शतरंज ओलंपियाड के विजेताओं को बधाई दी। पीएम ने कहा- आज भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है। भारत ऊर्जा और सपनों से भरा हुआ है। हर दिन नए रिकॉर्ड और नई खबरें बन रही हैं। आज भारत ने शतरंज ओलंपियाड (पुरुष और महिला) में स्वर्ण पदक जीता है।

हरियाणा में महापंचायत के बाद किसानों का फैसला

3 अक्टूबर को देशभर के रेलवे ट्रैक करेंगे जाम

कुरुक्षेत्र (ईएमएस)। हरियाणा के कुरूक्षेत्र में रविवार को हुई किसानों की महापंचायत में फैसला लिया गया है कि 3 अक्टूबर को पूरे देश में रेल ट्रैक जाम रखा जाएगा। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि हरियाणा में पंचायतें कर भाजपा की ओर से किसानों पर किए अत्याचार को याद कराया जाएगा। पंधेर ने कहा कि किसान हरियाणा में भाजपा की हार में हिस्सेदार बनेगा। किसान महापंचायत में सरवन सिंह पंधेर के साथ जगजीत सिंह डल्लेवाल, अमरजीत सिंह मोहड़ी सहित कई किसान नेता शामिल हुए।

पिपली गांव में हुई महापंचायत के बाद सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि भाजपा सरकार ने जिस प्रकार के अत्याचार किसानों पर किए हैं, अब हरियाणा में इसका बदला लेने का समय आ गया है। हम पंचायत कर हरियाणा के किसानों को याद दिला रहे हैं कि किस प्रकार से किसानों पर बल का प्रयोग किया गया और किस प्रकार से किसान शुभकरण को शहीद किया गया।

2 घंटे के लिए रोकी जाएंगी ट्रेनें

पंधेर ने बताया कि 3 अक्टूबर को भारत भर में 2 घंटे के लिए रेलवे ट्रैक जाम किए जाएंगे। आने वाले समय में किसान आंदोलन को और भी गति दी जाएगी। वहीं, किसान नेता अमरजीत सिंह मोहड़ी ने कहा कि हमारे आंदोलन का उद्देश्य दूसरे राजनीतिक दलों को भी सचेत करना है कि अगर सत्ता में आने के बाद वह किसानों के साथ इस प्रकार का दुव्र्यवहार करेंगे तो किसान एकजुट होकर उनके खिलाफ भी लड़ाई लड़ेगा। उन्होंने कहा कि किसान अपनी मांगों को लेकर लगातार आंदोलन कर रहे हैं। आने वाले समय में इस आंदोलन को और भी तेज किया जाएगा।

आज पिपली में हुई किसानों की पंचायत को देखते हुए पुलिस भी अलर्ट पर रही। इससे पहले किसानों ने जींद में भी महापंचायत की थी। किसानों का कहना था कि इस महापंचायत में विभिन्न राज्यों से किसान पहुंचे और दिल्ली की सीमाएं खोलने की मांग सहित अपनी अन्य मांगों को लेकर मंथन किया।

सात राज्यों के 1935 आरोपियों की संपत्ति पर चले बुलडोजर

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत का बुलडोजर कानून उत्तर प्रदेश से शुरू हुआ था। वह देश और विदेश में नई पहचान बनाने में सफल रहा है। पिछले 7 वर्षों में सात राज्यों के लगभग 1935 आरोपियों की संपत्ति पर बुलडोजर चलाए गए। हजारों परिवार इससे प्रभावित हुए। जिनका कोई अपराध नहीं था। उन्हें भी दंडित होना पड़ा। अब यह मामला सुप्रीम कोर्ट में है। सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर की कार्रवाई पर रोक लगा दी है। भविष्य में बुलडोजर कैसे चलेंगे, सुप्रीम कोर्ट इसके लिए नियम बनाने जा रही है।

उत्तर प्रदेश में 1535 आरोपियों की संपत्ति को तोड़ा गया है। मध्य प्रदेश में 259 हरियाणा में 64 गुजरात में 55 राजस्थान में 10 दिल्ली में 10 झारखंड में 22 आरोपियों की संपत्तियों को बुलडोजर से नेस्त नाबूत किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट में जो याचिका लगाई गई है। उसके बाद सभी राज्यों से सुप्रीम कोर्ट ने जानकारी मांगी है। बुलडोजर प्रक्रिया को किस तरह से किया गया है। किस तरह से नियमों का उल्लंघन किया गया है। इसकी समीक्षा अब न्यायपालिका

अमेरिका ने भारत को सौंपी 297 बहुमूल्य कलाकृतियां

नई दिल्ली(ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तीन दिवसीय अमेरिका यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रथम महिला जिल बाइडन को बेशकीमती तोहफे दिए। मोदी ने राष्ट्रपति बाइडन को चांदी की विनटेज ट्रेन का मॉडल दिया। वहीं अमेरिका ने भारत को उसकी 297 प्राचीन बहुमूल्य कलाकृतियां सौंपी हैं। इन कलाकृतियां को भारत से तस्करी के जरिए विदेश ले जाया गया था। अमेरिका पिछले 10 साल में भारत को ऐसी 578 ऐतिहासिक वस्तुएं दे चुका है।

इसके साथ, 2014 के बाद से भारत द्वारा बरामद की गई प्राचीन वस्तुओं की कुल संख्या 640 हो गई है, अधिकारियों ने कहा, अकेले अमेरिका से लौटाई गई संख्या 578 होगी। यह किसी भी देश की तरफ से भारत को लौटाई गई सांस्कृतिक कलाकृतियों की अधिकतम संख्या है।

आरएसएस को बेटा क्यों दिखा रहा आंख

- जंतर-मंतर पर लगी जनता की अदालत, केजरीवाल ने मोहन भागवत से पूछे कुछ सवाल

नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर आम आदमी पार्टी ने जनता की अदालत लगाई। इसमें दिल्ली से पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने बीजेपी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के रिश्तों पर तीखे बाण चलाए। केजरीवाल ने कहा कि आरएसएस एक तरह से बीजेपी की मां है, लेकिन आज बीजेपी अपनी मां को आंखें दिखा रही है। केजरीवाल का यह बयान जेपी नड्डा की उस टिप्पणी को लेकर आया है, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि बीजेपी को आरएसएस की जरूरत नहीं है।

इस टिप्पणी ने देश की राजनीति में हलचल मचा दी है, खासकर उन लोगों के बीच जो आरएसएस और बीजेपी के घनिष्ठ संबंधों को अहम मानते हैं। केजरीवाल ने सवाल किया कि क्या आपको जेपी नड्डा की इस टिप्पणी से दुख नहीं हुआ? उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि बीजेपी और आरएसएस के बीच का रिश्ता गहरा है, और इस तरह की टिप्पणियां उस संबंध को ठेस पहुंचाने का काम करती हैं।

केजरीवाल ने जनता की अदालत में आरएसए प्रमुख मोहन भागवत से पांच सवाल पूछे जिसमें केजरीवाल ने पूछा कि पीएम मोदी पूरे देश में लालच देकर या ईडी और सीबीआई का डर दिखाकर विपक्षी दलों के नेताओं को तोड़ रहे हैं, सरकारें गिरा रहे हैं. क्या ये देश के लोकतंत्र के लिए सही है? क्या मोहन भागवत यह नहीं मानते कि यह भारतीय लोकतंत्र के लिए हानिकारक है? केजरीवाल ने सवाल करते हुए आरोप लगाया कि पीएम मोदी ने देश के सबसे भ्रष्ट नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल किया है। उन्होंने कहा कि जिन नेताओं को मोदी और अमित शाह ने पहले भ्रष्ट कहा था बाद में उन्हीं को बीजेपी में शामिल कर लिया गया। क्या आपने ऐसी बीजेपी की कल्पना की थी? क्या इस प्रकार की राजनीति से आरएसएस सहमत है?

केजरीवाल ने तीसरे सवाल में कहा कि बीजेपी आरएसएस की कोख से ही जन्मी है और आरएसएस की जिम्मेदारी है कि वह यह तय करे कि बीजेपी सही मार्ग पर चले। केजरीवाल ने पूछा कि क्या आपने पीएम मोदी से कभी कहा कि वे गलत रास्ते पर न चलें? क्या आप आज की बीजेपी की कार्यशैली से संतुष्ट हैं?

केजरीवाल ने चौथा सवाल बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा के उस बयान को लेकर पूछा जिसमें नड्डा ने कहा था कि अब बीजेपी को आरएसएस यानी संघ की जरूरत नहीं है। केजरीवाल ने पूछा कि आरएसएस तो बीजेपी की मां समान है। क्या आपको दुख नहीं हुआ जब आपके अपने बेटे ने ऐसा कहा? क्या आरएसएस के कार्यकर्ताओं को इससे पीड़ा नहीं हुई?

पांचवा और आखिरी सवाल जिसमें आरएसएस और बीजेपी के बनाए 75 साल की उम्र में रिटायरमेंट के नियम पर केजरीवाल ने पूछा कि इस नियम के तहत लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी जैसे वरिष्ठ नेताओं को घर बैठा दिया गया, लेकिन अब अमित शाह कह रहे हैं कि यह नियम मोदीजी पर लागू नहीं होता है। क्या यह सही है? क्या मोदीजी पर भी यह नियम लागू नहीं होगा?

केजरीवाल ने इन सवालों के जरिए से बीजेपी और आरएसएस के बीच के संबंधों, पार्टी की वर्तमान नीतियों और नेतृत्व के प्रति आरएसएस की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना है कि आरएसएस इन सवालों को केजरीवाल को जवाब किस रुप में देता है।

अठावले ने बढ़ाई बीजेपी की मुशकिलें, महाराष्ट्र में मांगी 10-12 सीटें

नई दिल्ली,(ईएमएस)। महाराष्ट्र चुनाव को लेकर सहयोगी पार्टी आरपीआई-ए के प्रमुख रामदास अठावले एक बार फिर बीजेपी के लिए सिरदर्द बन सकते हैं। अठावले ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर अपना रुख साफ कर दिया है और कहा है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में कम से कम 10 से 12 सीटों पर उनकी पार्टी चुनाव लड़ेगी।

आरपीआई-ए प्रमुख अठावले ने बताया कि उनकी पार्टी अपने चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ेगी और विदर्भ क्षेत्र में तीन-चार सीटों की मांग करेगी, जिसमें उत्तर नागपुर, उमरेड (नागपुर), उमरखेड (यवतमाल) और वाशिम क्षेत्र शामिल हैं। बीजेपी हरियाणा में सीट बंटवारे को लेकर पहले से ही मुश्किलों का सामना कर रही है, जहां पार्टी की सहयोगी शिवसेना और एनसीपी की सीट बंटवारे पर अपनी-अपनी इच्छाएं और मांगें हैं।

महायुति गठबंधन में बीजेपी, सीएम एकनाथ शिंदे की पार्टी शिवसेना और अजीत पवार की पार्टी एनसीपी शामिल है और आरपीआई-ए भी इस गठबंधन का हिस्सा है। रामदास अठावले की पार्टी केंद्र में भी बीजेपी की सहयोगी है और ऐसे में बीजेपी के लिए दोहरी समस्या खड़ी हो रही है, जहां पार्टी अकेले अच्छे-खासे सीटों पर चुनाव लड़ने का मन बना रही है। अठावले ने कहा कि हमने 18 संभावित सीटों की सूची बनाई है, जो हम महायुति के साथियों के साथ साझा करेंगे, और हमें उम्मीद है कि हमें कम से कम 10 से 12 सीटें मिलेंगी।

अठावले ने बीजेपी-शिवसेना और एनसीपी से उनकी पार्टी को चार-चार सीटें उनके कोटे से देने की मांग की है। उन्होंने इस बात पर भी नाराजगी जताई कि अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के महायुति सरकार में शामिल हो जाने के कारण आरपीआई-ए को राज्य में कोई मंत्री पद नहीं मिला है, जबकि उनसे पहले वादा किया था। अठावले ने राज्य मंत्रिमंडल में स्थान, दो निगमों की अध्यक्षता और जिला-स्तरीय समितियों में भूमिकाएं देने का वादा किया गया था, लेकिन अजीत पवार की एंट्री से उनकी पार्टी इन पदों को पाने से महरूम रह गई। वर्तमान विधानसभा में बीजेपी के 103 विधायक हैं, शिवसेना के 40, एनसीपी के 41, कांग्रेस के 40, शिवसेना (यूबीटी) के 15, एनसीपी (एसपी) के 13 और अन्य 29 हैं और कुछ सीटें अभी खाली हैं।

एलओसी पर पाकिस्तानी घुसपैठिया गिरफ्तार

पुंछ (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर में पुंछ के मेंढर सेक्टर में लाइन ऑफ कंट्रोल पर निगरानी कर रहे सेना के जवानों ने पाकिस्तानी घुसपैठिए को गिरफ्तार किया है। रविवार को पकड़े गए इस घुसपैठिए का नाम हसम शहजाद है। शहजाद पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के तारिनोत गांव का है। वह मेंढर के कृष्णा घाटी सेक्टर से भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश में था। पेट्रोलिंग टीम को भारतीय क्षेत्र में 100 मीटर अंदर ब्रावो चेक पोस्ट के पास शहजाद छिपा हुआ मिला। शहजाद के पास से 1800 रुपए पाकिस्तानी करंसी, एक पहचान पत्र और दो सिम कार्ड भी मिले। पूछताछ में शहजाद ने बताया कि वह अनजाने में एलओसी पार कर गया था।

अब मालगाड़ी को पलटाने की साजिश, ट्रैक पर खाली सिलेंडर, बीयर का केन मिला

कानपुर (ईएमएस)। उप्र के कानपुर जिले में साबरमती, कालिंदी एक्सप्रेस के बाद अबकी बार महाराजपुर के प्रेमपुर स्टेशन के पास ट्रेन को पलटाने की साजिश की गई। रेलवे ट्रैक पर गैस सिलेंडर रखा मिला।

रविवार सुबह मालगाड़ी ट्रेन कानपुर से प्रयागराज की ओर आने के दौरान जब प्रेमपुर स्टेशन पर लूप लाइन पर पहुंची तो लोको पायलट एवं सहायक लोको पायलट ने सिग्नल से कुछ दूर पहले एक सिलेंडर रखा हुआ देखा। उन्होंने फौरन इमरजेंसी ब्रेक लगाकर गाड़ी को सिलेंडर से टकराने से पहले रोक लिया। इसके बाद उन्होंने सभी संबंधित विभागों को इसकी जानकारी दी।

घटना की जानकारी रेलवे के अधिकारी, जेसीपी हरीश चंदर, डीसीपी पूर्वी एसके सिंह समेत भारी पुलिस फोर्स मौके पर पहुंचा। क्राइम ब्रांच भी मौके पर जांच करने पहुंची। फोरेंसिक टीम व डॉग स्क्वायड ने भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटा रही है।

विवरण के मुताबिक कानपुर से प्रयागराज की ओर आने के दौरान जब प्रेमपुर स्टेशन पर लूप लाइन पर मालगाड़ी आ रही थी, तो गाड़ी में कार्यरत लोको पायलट व सहायक लोको पायलट ने सिग्नल से कुछ दूर पहले एक सिलेंडर रखा हुआ देखा।

उन्होंने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर गाड़ी को सिलेंडर से पहले रोक लिया। घटना प्रेमपुर स्टेशन पर सुबह 5:50 की है। इस सिलेंडर की जांच करने पर पता चला कि यह पांच किलो का एक खाली सिलेंडर है जो की ट्रैक पर सिग्नल के थोड़ा पहले रखा हुआ था। ट्रेन को पलटाने की साजिश की गई। घटना की जांच के निर्देश दिए गए है।

फैक्ट्री में आग, 6 लोग जिंदा जले

कानपुर (ईएमएस)। कानपुर देहात के रानिया में स्थित एक फोम गद्दे बनाने वाली फैक्ट्री में लगी आग में अब तक 6 लोगों की मौत हो चुकी है। फैक्ट्री में रात की शिफ्ट के दौरान करीब 15 कर्मचारी मौजूद थे। प्रारंभिक जांच के अनुसार, एक मशीन से चिंगारी निकलने के बाद अचानक आग भडक़ गई। तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति की कानपुर में इलाज के दौरान और दो लोगों की लखनऊ में उपचार के दौरान मौत हो गई। कानपुर देहात के एसपी बीबीजीटीएस मूर्ति ने बताया कि फैक्ट्री के तीन निदेशकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। चूंकि पीडितों की तरफ से कोई शिकायत नहीं आई थी, इसलिए फायर विभाग की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई है।

इस बार और भव्य होगी काशी की देव दीवाली

लखनऊ,(ईएमएस)। इस बार की देव दीवाली पहले से ज्यादा भव्य होगी। यहां के 84 घाटों और शहर के तालाबों के किनारे 12 लाख दीप जलाएंगे। इनमें से 3 लाख दीये गोबर के होंगे। यहां शिव महिमा और मां गंगा पर लेजर शो भी होगा। ग्रीन आतिशबाजी भी लोग देखेंगे। वाराणसी प्रशासन ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है।

इस बार 15 नवंबर को देव दीवाली पड़ रही है। इस दिन काशी के घाट दीयों से जगमगाएंगे। काशी के अर्धचंद्राकार घाटों व कुंड और जलाशयों में भी दीये जलाएंगे। इस बार लाखों दीयों को जलाने का लक्ष्य रखा है। वहीं ऐतिहासिक घाटों को इलेक्ट्रिक लाइट से भी रोशन करेंगे। गंगा की रेती पर भी दीये जलेंगे। जिससे घाटों से गंगा पार का भव्य नजारा दिखेगा।

पर्यटन विभाग के डिप्टी डायरेक्टर ने कहा कि 12 लाख दीयों में 2.5 से 3 लाख गाय के गोबर से बनेंगे। देव दीवाली पर दीये जलाने के लिए काशी के 84 से अधिक घाटों, कुंडो और तालाबों पर योगी सरकार के कई विभाग काम करेंगे। लोगों की सहभागिता के लिए संस्थाओं, सामाजिक संगठनों से भी सहयोग लेंगे। यूपी सरकार ने देव दीवाली को भव्य स्वरूप देने के लिए इसे प्रांतीय मेला घोषित किया है।

काशी में देव दीवाली पर लाखों की संख्या में लोग पहुंचते हैं। उनके लिए घाटों पर कई कार्यक्रमों का आयोजन होगा। प्रमुख घाटों पर लेजर शो और ग्रीन आतिशबाजी का आयोजन भी होगा। लेजर शो के माध्यम से गंगा अवतरण और शिव महिमा की कथा दिखायेंगे। गंगा पार रेत पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए प्रदूषण रहित ग्रीन आतिशबाजी होगी।

जन हितैषी

खाता ना बही- सरकार जो कहे सो सही

सात साल में 07 राज्यों की सरकारों द्वारा 1935 आरोपियों की संपत्तियों पर बुलडोजर चलाकर तुरंत न्याय करते हुए उन्हें सजा दे दी गई। यह सजा सरकार ने आरोप के आधार पर तुरंत दान महा कल्याण की तर्ज पर दी है। तुरंत न्याय करके सरकार ने अपनी ताकत का एहसास करा दिया है। सरकार के इस न्याय से अपराधियों में खौफ है। यह कहा जा रहा है। इस खौफ के बाद भी अपराध कम होने के स्थान पर बढ़ते क्यों जा रहे हैं, यह चिंता का विषय है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अपराधियों में खौफ पैदा करने और तुरंत सजा देने के लिए अघोषित और असंवैधानिक बुलडोजर कानून लागू किया था। आरोप के आधार पर बुलडोजर चला कर अपराधी के घर, मकान और संपत्ति को नष्ट करने का सिलसिला उत्तर प्रदेश सरकार ने शुरू किया था। सरकार ने बुलडोजर से आरोपी और उसके परिवार की संपत्ति नष्ट कर दी। उस संपत्ति को अवैध निर्माण या सरकारी जमीन पर कब्जा बताकर आनन-फानन में बुलडोजर और पुलिस बल की सहायता से तोड़ दिया गया। उत्तर प्रदेश में पिछले 7 सालों में 1535 अवैध निर्माणों को बुलडोजर से तोड़ा गया है। इसके बाद मध्य प्रदेश में 259 निर्माण तोड़े गए हैं। तीसरे नंबर पर हरियाणा है, यहां पर 64 निर्माण बुलडोजर से तोड़े गये। गुजरात में 55, राजस्थान में 10, दिल्ली में 10 और झारखंड में 2 इस प्रकार लगभग 1935 संपत्तियों को आरोप के आधार पर बुलडोजर से नष्ट किया गया है। इसमें सबसे बड़ी खास बात यह है की एक धर्म विशेष के लोगों की लगभग 90 फ़ीसदी संपत्तियों को आरोप के आधार पर तोड़ा गया। मध्य प्रदेश में 1 अपराधी की ऐसी संपत्ति को तोड़ा गया जिसे बनने में 7 साल लगे, करोड़ों रुपए से उसका निर्माण हुआ, जमीन का स्वामित्व भी था और नक्शा भी पास था। उसके बाद बुलडोजर कानून को लेकर न्यायालय की नींद खुली। अब इस मामले की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। सुप्रीम कोर्ट ने अगले आदेश तक बुलडोजर से इस तरह का न्याय रोक दिया है। अपराध किसी एक व्यक्ति ने किया, उसके ऊपर आरोप लगा। आरोप की सत्यता जांचे बिना आरोपी के परिवार की पूरी संपत्ति को तोड़ कर सारे परिवार को बेदखल करने का यह बुलडोजर कानून भारत में पिछले 7 साल से चल रहा था। इस कानून के कारण उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को देश भर में एक नई पहचान मिली। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने इस न्याय को होते हुए देख रही थी। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने अपनी आंखों पर काली पट्टी बांध रखी है। जो भारतीय संवैधानिक न्यायपालिका की संवेदनशीलता और निष्पक्षता का सबसे बड़ा प्रमाण है। सरकारों ने असंवैधानिक और गैर कानूनी तरीके से जिस तरह से बुलडोजर के माध्यम से आरोपियों की संपत्तियों को नेस्त-नाबूत किया है, वह भारतीय संविधान में प्रत्येक नागरिक के मूलभूत अधिकारों का स्पष्ट रूप से सरकार द्वारा हनन किया गया है। न्याय प्रक्रिया का पालन किए बिना सरकार के अधिकारियों ने न्यायपालिका के अधिकारों का उपयोग, प्रशासकीय अधिकारियों ने अवैधानिक तरीके से किया है। किसी भी मामले में न्यायिक प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। एक व्यक्ति के किए हुए अपराध की सजा उसके पूरे परिवार को दे दी गई। मीडिया में उसका प्रचार-प्रसार किया गया। ताकि अपराधी और अपराधों को लेकर लोगों में भय का वातावरण बने। सारी न्यायिक प्रक्रिया को धता बता दिया गया। जिसकी संपत्ति को बुलडोजर से तोड़ा गया। उसको इतना समय भी नहीं दिया गया, कि वह अपना पक्ष सरकार और न्यायपालिका के पास रख सके। सरकार और उसके अधिकारियों ने अपनी सारी ताकत आरोपी की संपत्ति को ध्वस्त करने में लगा दी। परिवार और समाज में भय एवं दहशत का वातावरण बना दिया। उत्तर प्रदेश से बुलडोजर कानून शुरू हुआ था। धीरे-धीरे यह अन्य भाजपा शासित राज्यों में तेजी से साथ फैला। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहचान बुलडोजर बाबा के रूप में देश में बन गई। बुलडोजर की ख्याति विदेशों तक पहुंच गई। बुलडोजर की कार्यवाई एक धर्म विशेष के लोगों के खिलाफ किए जाने के आरोप लगे। प्रशासकीय अधिकारी धर्म विशेष के आरोपियों पर बुलडोजर चलाकर तुरंत न्याय करने लगे। रामचरित मानस में गोस्वामी तुलसीदास जी ने लिखा है- समरथ को नहीं दोष गुसाईं। सरकार और भगवान से ज्यादा समर्थवान कोई हो ही नहीं सकता है। भगवान और सरकार किसी की भी जान ले सकती है। जिन लोगों को बुलडोजर से न्याय मिला है, निश्चित रूप से वह इस तरह से दंडित होने का भाग्य लेकर जन्मे थे। यही कहा जा सकता है। कहने को भारत में संवैधानिक व्यवस्था लागू है। भारत के नागरिकों को समान रूप से मौलिक अधिकार प्राप्त है। भारत की न्याय व्यवस्था सभी के लिए एक समान है। पिछले वर्षों में जिस तरह से आरोप के आधार पर बिना किसी सुनवाई और सफाई के जिस तरह से आरोपी के परिवारों को दंडित किया गया है। उसके बाद निश्चित रूप से सरकार के प्रति खौफ पैदा होना स्वाभाविक है। भय बिन प्रीत ना होय गुसाई की तर्ज पर, सरकार ने आम जनता के मन में सरकार के प्रति, प्रीत बुलडोजर कानून से जगा दी है। निश्चित रूप से लोगों में डर और भय पैदा हुआ है। इसके बाद भी अपराध कम होने के स्थान पर लगातार बढ़ते जा रहे हैं। यह चिंता का विषय है। हाल ही में उड़ीसा में सेना के एक कैप्टन उसकी मंगेतर जो एक वकील भी है, जो एक रिटायर्ड ब्रिगेडियर की लड़की है। सेना के कैप्टन के साथ होते हुए थाने के अंदर पुलिस ने उनके साथ जो न्याय किया है। यह न्याय भी बुलडोजर कानून की तरह है। थाने के अंदर पुलिस ने सेना के कप्तान और उसकी मंगेतर को लॉकअप में बंद करके उनके साथ मारपीट की। इस तरह सेना के जवान को लॉकअप में बंद करने का कोई अधिकार पुलिस के पास नहीं है। उसकी मंगेतर जो स्वयं वकील है, उसकी गलती थी कि उसने पुलिस को नियम, कानून और अधिकार को समझाने की कोशिश की। पुलिस ने उसे पुलिसिया कानून समझा दिया। थाने के अंदर उसके साथ क्या-क्या हुआ है। इसको जानकर सभी लोग हैरत में हैं। जब एक ब्रिगेडियर की बेटी और वकील तथा सेना का कैप्टन थाने के अंदर सुरक्षित नहीं है। ऐसी स्थिति में भारत की संवैधानिक और लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को लेकर क्या कहा जा सकता है। जिनके ऊपर संविधान की रक्षा का दायित्व है। उन्होंने भी अपनी आंखों पर काली पट्टी बांध रखी है। आंख, कान, नाक, मुंह सब बंद हैं। ऐसी स्थिति में यही कहा जा सकता है कि भाग्य को कोई नहीं बदल सकता है। जो उनके भाग्य में था, उन्हें मिला। संतोष करने के अलावा जनता के पास और अन्य कोई विकल्प भी नहीं है।

डिजिटल डिवाइस, मैसेजिंग ट्रिगर और युध्द की विभीषिका

संचार क्रांति के दौर में चौतरफा और रोजाना नित नई तकनीकों से दुनिया रू-ब-रू हो रही है। मोबाइल, जीपीएस, इण्टरनेट, बिना ड्राइवर की गाड़ियों से लेकर अब कृत्रिम मेधा यानी एआई (आर्टीफीसियल इण्टेलीजेन्स)के युग में 1950 के जमाने में न्यूयॉर्क सेनिकले पेजर, 74 वर्षों के बाद पहली बार और एक साथ सीरियल ब्लास्ट में तब्दील हो जाएंगे, भला किसने सोचा था?रेडियो फ्रिक्वेंसी पर चलने वाले पेजर का क्रेज अब न के बराबर है। लेकिन किसी पकड़ या सुराग के लिहाज से बेहद सुरक्षित पेजर का उपयोग आतंकी गतिविधियों में जरूर थोक में होने लगा। इसमें न जीपीएसहोता है और न ही कोईआईपीएड्रेस, इसलिएलोकेशन ट्रेसका सवाल ही नहीं।इसका नंबर भी बदला जा सकता है। इसीलिए इसका पता लगाना आसान नहीं होता।बसइसी चलते एक बड़ी साजिश को अंजाम देकर बड़े षड्यंत्र के तहत 9/11 जैसी बल्कि उससे भी बहुत बड़े दायरे में लेबनान में हर वो शख्स विस्फोट का शिकार हुआ जो साजिश के पेजर रखे था।

लेकिन चिन्ता की बात यह कि मामला पेजर तक नहीं रुका बल्कि रेडियोवॉकी टॉकी जैसेदूसरी कम्युनिकेशन डिवाइस यहां तक कि घरों में लगे सोलर सिस्टम भी फटने की बातेंसामने आईं। धमाकों का शक इजराइल पर जताया जा रहा है।इन विस्फोटों को लेकर पूरी दुनिया हैरान है। इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच जारी तनाव और बढ़ गया है।पूरे मिडिल ईस्ट में युद्ध के खतरेकी स्थिति बन चुकी है।वायरलेस उपकरणों में सीरियलविस्फोटों के बाद कई घरों, दुकानों, बाइक और दूसरे वाहनों में भी आग लग गई। एक तरह से पूरा क्षेत्र विस्फोटों की जद में आ गया।वहां अबलोग इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के उपयोग को लेकर डरेहुए हैं।

हर कोई हैरान है कि पेजर जैसा साधारण उपकरण बम में कैसे बदल गया? इसको लेकर पुख्ता तौर पर तो अभी किसी तरह की सच्चाई सामने नहीं है। लेकिन विस्फोट को लेकर तरह-तरह के कयास जरूर हैं। संभावनाओं में पेजर में लगी लीथियम बैटरी शक में है जो अत्याधिक गर्म होने पर फट सकती है। लेकिन इस थ्योरी पर भी ज्यादा भरोसा नहीं है। वहीं दूसरी दमदार संभावना साजिश के पेजरों को बनाते के वक्त ही इनमें विस्फोटक छुपानेकी है जिससे सप्लायर अन्जान हो?यकीनन साजिश बहुत बड़ी रही जिसको लेकर किसी नतीजे पर पहुंचना जल्दबाजी होगी।

बैटरियों में खराबी या गुणवत्ता की कमींके चलते मोबाइल में विस्फोट तो हो जाते हैं। लेकिन एक तयशुदा वक्त पर रेडियो फ्रिक्वेंसी आधारित छोटे से उपकरण में सीरियल ब्लास्ट का ट्रिगर दबना-दबाना, हैरान कर रहा है। क्या किसी कोडिंग से ऐसा हो पाया? या वजह कुछ और है? ऐसी तमाम बातों की पर्तो को खुलने में वक्त लगेगा। आखिर ऐसी कौन सी रासायनिक श्रृंखला प्रतिक्रिया को अंजाम दिया गया जो अलग-अलग और काफी दूर-दूर तक ट्रिगर में बदल गईं?

हैकर ने ट्रिगरिंग सिग्नल भेजने के लिए कौन सा तरीका अपनाया?फिलाहाल केवल कयास हैं।रेडियो नेटवर्क से संचालित पेजर पर ऐसा कौन सा सिग्नल भेजा गया जो बैटरियां गर्म हुईं और इतनी कि कथित तौर पर साथ रखे घातक विस्फोटक फटे जिन्हें लॉट विशेष में छिपानेकी संभावना कही जा रही है। एक सच जरूर है कि कुछ महीने पहले थोक में खरीदे पेजर ही फटे ऐसे में उनमें खतरनाक ज्वलनशील विस्फोटक को छुपाने की थ्योरीजरूर बनती है। सच के लिए इंतजार करना होगा। लेकिन एक सवाल हर किसी के दिमाग में कौंधनेलगा है कि मोबाइल या दूसरे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स कितने सुरक्षित?

कभी लिंक क्लिक करने से खाते खाली होना तो कभी हैक हो जाना, कभी क्लोनिंग के जरिए पूरा डेटा चुरा लेने जैसी घटनाओं को लेकर दुनिया भर में सायबर सिक्योरिटी पर न केवल जोर है बल्कि पूरी गंभीरता है। इसी बीच इतना बड़ा डिजिटल अटैक बहुत बड़ीचुनौती है। इस घटना को चाहे जो नाम दें, दो देशों की दुश्मनी या दुनिया में अशांति का जिम्मेदार बताएं लेकिन इसने संचार क्रान्ति के दौर में बड़े दुरुपयोग का बहुत ही बड़ा मैसेज जरूर दे दिया। युध्द की नई तकनीक रूपी पेजर अटैक ने दुनिया भर के कम्युनिकेशन सिस्टम कोबहुत बड़ी चुनौती दे डाली।छोटा सा पोर्टेबल इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जिसे बीपर भी कहते हैं, इतना खतरनाक..! बेहद हैरानी वाली बात है।

अब इसे इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर कहें, इलेक्ट्रोमैग्नेटिक सिग्नल काइस्तेमालया कुछ भी, रेडियो वेव से चलने वाले हजरों पेजर्स फिर वॉकी-टॉकी और सोलर सिस्टममें थोक मेंहुए विस्फोट संचार क्रान्ति के लिए बड़ी चुनौती जरूर हैं। ऐसी घटनाओं की सूचनाएं कब कहां से आने लगे इसका भी डर है। दुनिया भर में घर-घर उपयोग हो रहे तमाम इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स वजह-बेवजह शक के दायरे में आ गए। यह नई चुनौती मुंह बाएं एकाएक आ खड़ी हुई। क्या पता आगे ऐसे गैजेट्स को बनाने की चंद देशों की हुनरमंदी और बदनीयती दुनिया भर में नई तबाही का कारण भी बनें?भगवान करे आगे ऐसा न हो।सच में दुनिया उस मोड़ पर आ खड़ी हुई है जहां समूची मानवता पर मंडरा रहे इस खतरे से बचाव खातिर तुरंत सुरक्षित रास्ते तलाशने ही होंगे। (लेखक-ऋतुपर्ण दवे/ ईएमएस)

हम किसी के खिलाफ नहीं, सब हमारे खिलाफ

अमेरिका ने भारत के सुरक्षा सलाहकार को समन देकर बुलाया है और प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी को एक अतिथि के रूप में। वे अमेरिका में हो रहे क्वाड सम्मेलन में शामिल हुए हैं। अमेरिका के बराबर व्यवहार की अनदेखी कर मोदी जी ने दरियादिली दिखते हुए कहा है कि क्वाड शिखर सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब दुनिया तनाव और संघर्ष से घिरी हुई है। ऐसे में साझा लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार पर क्वाड का एक साथ काम करना पूरी मानवता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हम किसी के खिलाफ नहीं हैं। उन्होंने ये नहीं कहा की हमारे खिलाफ कौन-कौन है ? क्योंकि सब जानते हैं की शेष दुनिया का बड़ा हिस्सा हमारे खिलाफ है।

आपको बता दूँ कि अमेरिका के डेलावेयर में आयोजित क्वाड शिखर सम्मेलन में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्राध्यक्ष शामिल हुए। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब दुनिया तनाव और संघर्ष से घिरी है। माननीय मोदी जी ने कहा कि साझा लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार पर क्वाड देशों को एक साथ काम करना पूरी मानवता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अभी ये पता नहीं चला कि मोदी जी अपने पुराने मित्र डोनाल्ड ट्रम्प से मिले या नही। उन्होंने बराक ओबामा से भेंट कि या नहीं। ओबामा से मोदी जी के तो-तड़ाक वाले रिश्ते हैं।

अमेरिका से खबरें आ रहीं हैं कि प्रधानमंत्री मोदी अपनी तीन दिवसीय अमेरिकी यात्रा के पहले चरण में अमेरिका के फिलाडेल्फिया हवाई अड्डे पर पहुंचे। क्वाड शिखर सम्मेलन में भाग लेने से पहले उन्होंने राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ द्विपक्षीय बैठक की। दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए नए रास्ते खोजे।वेदन और मोदी जी कि मुलाकात में डोभाल को समन और व्हाइट हॉउस में पृथकतावादी आंदोलन के समर्थकों से मुलाकात का मुद्दा उठा या नहीं ,इसकी जानकारी फिलहाल उपलब्ध नहीं है।

क्वाड सम्मेलन के लिए जिसने भी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दस मोदी का भाषण लिखा ,बढ़िया लिखा। मोदी जीने कहा कि -हम सभी नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान और सभी मुद्दों के शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करते हैं। स्वतंत्र, खुला, समावेशी और समृद्ध हिंद-प्रशांत हमारी साझा प्राथमिकता और साझा प्रतिबद्धता है।उन्होंने कहा, क्वाड देशों ने स्वास्थ्य, सुरक्षा, महत्वपूर्ण उभरती प्रौद्योगिकियों, जलवायु परिवर्तन और क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में कई सकारात्मक और समावेशी पहल की हैं। कहा, हमारा स्पष्ट संदेश है- क्वाड यहां रहने, सहायता करने, साझेदारी करने और पूरक बनने के लिए है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने राष्ट्रपति बाइडन और अपने सभी सहयोगियों को इस सम्मेलन के लिए बधाई दी। साथ ही 2025 में भारत में क्वाड लीडर्स समिट की मेजबानी करने की प्रतिबद्धता दोहराई। इससे एक संदेश भारत के विपक्षी दलों को भी मिला कि मोदी जी न तो अभी देश में मध्यावधि चुनाव करने वाले हैं और न 75 के होने पर राजनीति से सन्यास लेने वाले हैं। वे जो बाइडन को शाद अपना आदर्श मान बैठे हैं और कम से कम जो बाइडन की उम्र तक तो सत्ता छोड़ने वाले नहीं हैं। आपको पता ही होगा कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन साहब इस समय कुल 82 साल के हैं।

क्वाड शिखर सम्मेलन के बाद सदस्य देशों के नेता कैंसर मूनशॉट इवेंट में शामिल हुए. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कैंसर की रोकथाम के लिए 7.5 मिलियन डॉलर के पैकेज और 4 करोड़ वैक्सीन डोज की घोषणा की. उन्होंने कहा कि भारत का विजन है- वन अर्थ, वन हेल्थ। निश्चित ही भारत कि ये पहल भारत के सनातन सूत्र वसुधैव कुटुंबम की अवधारणा के अनुरूप है। मोदी कि अमेरिका यात्रा के क्या निहितार्थ निकले जायेंगे ,ये बताना अभी जरूरी नहीं है लेकिन उनकी इस यात्रा का डंका भारत में हो रहे अनेक विधानसभाओं के चुनावों में अवश्य सुनाई देगी, क्योंकि देश में मोदी जी समस्याओं से घिरे हैं, उनकी उपलब्धियों का झुनझुना बजने से पहले ही कोलाहल में डूब जाता है ,किन्तु मोदी जी हार मैंने वालों में से नहीं है। भले ही देश के लोग वन नेशन- वन इलेक्शन के उनके ख्वाब कि अनदेखी करें किन्तु वे दुनिया को तो वन अर्थ -वन वैल्थ का मन्त्र देकर ही माने ।

हम उम्मीद करते हैं कि मोदी जी कि अमेरिका यात्रा कामयाब हो ताकि हमारे सुरक्षा सलाहकार डोभाल साहब की रक्षा हो सके। हमारे देश के खिलाफ अमेरिका में काम कर रहे समूहों को वहां कि सरकार का समर्थन मिलना बंद हो सके। हम मोदी जी कि कामयाबी चाहते है।

वे देश में कामयाब नहीं हो पा रहे तो कम से कम विदेश में तो कामयाब हो जाएँ ,अन्यथा उनके शांतिदूत बनने के सपने का क्या होगा ? वे अभी तक रूस और यूक्रेन का युद्ध तो रुकवाने में कामयाब हो नहीं पाए। बहरहाल मोदी जी ही हैं जो हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनावों के दौरान भाजपा को अकेला छोड़कर अमेरिका चले गए ,कोई दूसरा होता तो शायद बीमारी का बहाना बना लेता ।मोदी जी के सम्बोधन का चीन और पाकिस्तान ही नहीं बल्कि रूस और बाकी की दुनिया पर क्या असर पडेगा ,देखना जरूरी है। जय हो मोदी जी की। (लेखक-राकेश अचल/ईएमएस)

एक आंख और...दुनिया के धुरंधर गेंदबाजों की खूब पिटाई करता था ये टाइगर

नई दिल्ली (ईएमएस)। क्रिकेट के मैदान पर धाक कई खिलाड़ियों ने जमाई लेकिन मंसूर अली खान पटौदी की बात ही अलग थी। टाइगर के नाम से मशहूर ये भारतीय क्रिकेटर किसी पहचान का मोहताज न तब था न आज है। उनका नाम भारत के बेहतरीन क्रिकेट टेस्ट कप्तानों में शुमार है। महज 21 साल 77 दिन की उम्र में कप्तानी कर उन्होंने सबसे युवा कप्तान होने का गौरव पाया था। हालांकि, कई साल बाद यह रिकॉर्ड टूट गया।

क्रिकेट जगत में टाइगर पटौदी की धाक अलग थी। राजघराने से जुड़ा यह क्रिकेटर मैदान पर जितना फोकस था, उतना मैदान के बाहर खुशमिजाज और जिंदादिल था। मंसूर अली खान को नवाब पटौदी जूनियर के नाम से भी जाना जाता था। हालांकि, एक हादसे में उन्होंने अपनी एक आंख गंवा दी थी। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और एक आंख से भी वे खतरनाक गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा देते थे।

उनका जन्म 5 जनवरी 1941 को हुआ था और अंतिम सांस 22 सितंबर 2011 को ली थी। तब उनकी उम्र 70 साल थी। हम इस खबर में नबाव पटौदी से जुड़े कुछ किस्से बताते है। क्रिकेट के साथ-साथ पटौदी अपनी प्रेम कहानी के लिए भी मशहूर हैं। उन्होंने शर्मिला टैगोर से शादी की थी। मशहूर अभिनेत्री और सेंसर बोर्ड की अध्यक्ष रह चुकीं शर्मिला से उनकी पहली मुलाकात उनके कोलकाता स्थित घर पर तब हुई थी, जब पटौदी अपने एक मित्र के साथ वहां एक कार्यक्रम में गए थे और यहीं से दोनों की लव स्टोरी शुरू हुई थी। 1961 से 1975 के बीच पटौदी ने भारत के लिए 46 टेस्ट मैच खेले। जिसमें उन्होंने 6 शतक और 16 अर्धशतक की मदद से 2,793 रन बनाए। पटौदी 46 में से 40 मैचों में टीम के कप्तान थे। उनकी कप्तानी में 9 जीत, 19 हार और 12 मैच ड्रॉ हुए। 1968 में उनकी कप्तानी में भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ विदेशी जमीन पर अपनी पहली टेस्ट सीरीज जीती थी।

टाइगर के नाम टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में छठे स्थान पर बल्लेबाजी करते हुए एक टेस्ट मैच में सबसे अधिक गेंदों का सामना करने का रिकॉर्ड है। उन्होंने नंबर-6 पर बल्लेबाजी करते हुए 554 गेंदों का सामना किया था। टाइगर 1962 में इंडियन क्रिकेटर ऑफ द ईयर व 1968 में विजडन क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुने गए। 1969 में उनकी आत्मकथा टाइगर टेल लांच हुई थी। कुछ इस तरह एक आंख से खेलते हुए मंसूर अली खान ने क्रिकेट की दुनिया में काफी नाम कमाया। पटौदी कभी रिकॉर्ड बनाने के लिए नहीं खेलते थे उनका एक ही लक्ष्य था टीम को जीत दिलाना।

इंग्लैंड के स्पिनर आदिल ने बनाया रिकार्ड

लीड्स (ईएमएस)। स्पिनर आदिल राशिद एकदिवसीय क्रिकेट में 200 विकेट लेने वाले इंग्लैंड के पहले स्पिनर बन गये हैं। आदिल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लीड्स में दूसरे एकदिवसीय मैच के दौरान 42 रन देकर 2 विकेट लिए। इस प्रकार आदिल ने अपने 137 एकदिवसीय मैच में 32.22 की औसत से 201 विकेट लिए हैं। उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन 27 रन देकर 5 विकेट लेना रहा है। उन्होंने इस प्रारुप में 8 बार 4 विकेट और 2 बार 5 विकेट लिए हैं। राशिद एकदिवसीय में इंग्लैंड की ओर से तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, पहले दोनो ही स्थानों पर तेज गेंदबाज गेंदबाज जेम्स एंडरसन 269 विकेट और डैरेन गॉफ 234 विकेट हैं। एंडरसन ने 194 मैचों में अपने 269 विकेट लिए। इस दौरान उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 23 रन देकर पांच विकेट लेना रहा है। वहीं गॉफ ने 158 मैचों में अपने 234 विकेट लिए। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 44 रन देकर पांच विकेट लेना रहा है।

भारत की अखंडता पर सवाल करना निरर्थक है

जगत में उतना झगड़ा झंझट तलवार का नहीं है, जितना जीभ के वार का है। संसारी हो या साधक, इधर किसी की जीभ जरा हिली, उधर मन पर घाव पड़ा। कि हाय! हाय! मेरा अपमान हो गया। यहाँ थप्पड़ मारकर प्रेम के वचन बोलने वाला प्रिय है, गोद में बैठा कर गाली देने वाला शत्रु। एक संत ही है, जो लाख गाली खाकर भी मुस्कुराता ही है। कारण यह है कि - मान और अपमान नाम की जगत में कोई वस्तु, हाथ में रखे फल जैसी, आँख की पकड़ में नहीं आती। ताली और गाली में त और ग का ही अंतर है। मन ही खिलता या मुरझाता है, असल में बढ़ता या घटता कुछ नहीं। अपमान दूसरा नहीं करता, कर सकता ही नहीं। अपना ही अतीत का कर्म, प्रारब्ध बनकर अपमान कराता है। प्रारब्ध का फल तो कुछ भी होना संभव है। शारीरिक चोट, मार पिटाई, धन सम्पत्ति की हानि, स्वजन वियोग, अपंग हो जाना, जेल हो जाना आदि आदि। यदि अपमान में ही मामला सुलट गया, तो यह हम पर कितनी कृपा हुई कि अपमान मात्र से काम चल गया। कुछ घिसा भी नहीं और प्रारब्ध भी कट गया। फिर आमतौर पर अपमान करने वाला भी कोई अपना जानकारी में ही होता है। यह भी कृपा ही है कि अपने ने अपमान किया, दूसरा करता तो कत्ल नहीं हो जाते? और भी यदि दूसरा हमसे घृणा करे, तो हमें तो लाभ ही है। आखिर मोह ही तो दुख और बंधन का एकमात्र कारण है। कितनी अच्छी बात है कि मोह का धागा हमें नहीं तोड़ना पड़ रहा है, दूसरा स्वयं ही तोड़े दे रहा है। अब सबसे महत्वपूर्ण बात। प्रह्लाद, ध्रुव, अर्जुन, मीरा, तुलसी, कबीर, नरसी, एकनाथ, रामकृष्ण, यहाँ तक की स्वयं भगवान तक को कितना अपमान नहीं सहन करना पड़ा,तब बिना किसी ज्ञात अपराध के, अपमान हो जाना तो भक्ति मार्ग में सफलता की सूचना है।राहुल गाँधी भारत के सिखों कि बड़ी चिंता है तो पाकिस्तान और अफगानिस्तान के सिखों की दुर्दशा के बारे में क्यों नहीं बोलते है भारत में सिख समुदाय में जब क़्रोई विवाद ही नहीं तब ऐसी बयानबाजी करना विदेशों में उचित नहीं है यदि क़्रोई समस्या होती तो गुरुद्वारा प्रबंधन कमिटी उसपर अपना बयान देती सिखों में सबसे ज्यादा मनाने वाले गुरू गोविन्द सिंह जी है जो सत्य के लिए मानवता की रक्षा हेतु सर्वस्व बलिदान कर दिया और भारत ही नहीं संपूर्ण विश्व में मानवता और भाईचारा का संदेश दिया तभी गुरूद्वारे में इतनी प्रकाश रहता है कि भजन सुनते ही सब कुछ भूल कर गुरू के चरणों में अपना माथा टेकते हैं और सब दुःख दुर हो जाता है वे अंतिम गुरू थे जिन्होंने गुरुग्रन्थ साहिब को ही अगला गुरू माना और और आज भी लोग उसे अपना गुरु गुरुवाणी के रूप में मानते है क्या कहीं भारत में उसे लेकर क़्रोई गुरुवाणी पर माइक बन्द किया है अगर सच में गुरूद्वारे से इतना लगाव है तो जाकर देखना चाहिए और लंगर खाना चाहिए वहाँ ना तो कोई छोटा है ना क़्रोई बड़ा सभी गुरू के सामने उनके त्याग व बलिदान पर नतमस्तक होते है यदि बयान ही देना अच्छा लगता है तो एक बार 1984 के सिख दंगा पीड़ित के परिजनों के बारे में बताना चाहिए कि किस तरह हजारों निर्दोष सिखों की खुलेआम जलया गया और लूटा गया ऐ किसने किया इस पर मौन ब्रत क्यों धारण किए हैं ऐ सबाल हम नहीं इतिहास में हमेशा पूछे जायेंगे अतः इसपर कबीरदास जी की पंक्ति याद आती है बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय । जो दिल खोजा आपना, मुझसा बुरा न कोय ॥ कबीर हम सब ते बुरे, हमते भल सब कोय ।भारत में सभी धर्मों का सम्मान होता है लेकिन आतंकवाद का नहीं जो मानवता के विरुद्ध है और क़्रोई भी धर्म इसका समर्थन नहीं करता कट्टरपंथी ताकतों के खिलाफ कार्यवाही करना तो उचित है यदि मानवता की रक्षा का संदेश गुरूद्वारा में ना होता तो लंगर क्यों चलाये जाते अतः वहाँ सभी धर्मों के लोग मिलजुल कर प्रेम से प्रसाद के रूप में ग्रहण करते है देश में एकता और भाईचारा कायम है नहीं तो दंगे होते जो कहीं दिखाई नहीं दे रहा है ऐसे में ऐसे बयान के क़्रोई मायने ही नहीं है निरर्थक है ईश्वर सार्थक है और भारत एक है इसमें कुछ भी संशय नहीं है.अतः भारत की अखंडता पर सवाल करना निरर्थक है. (लेखक – संजय गोस्वामी /ईएमएस)

शब्द पहेली - 8137

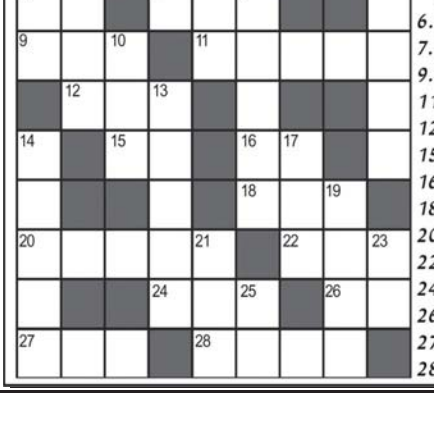

बाएँ से दाएँ

1.अचंभा,आश्चर्य-4
3.अच्छी रुचि,कलात्मक रुचि-3
6.पिता के छोटे भाई,काका-2
7.माह,मास-3
9.धावक(अंग्रेजी-3)
11.नया जीवन,उद्धार होना-5
12.लक्ष्मी,धन की देवी-3
15.बुरी आदत-2
16.पैर,पाँव-2
18.देवमुनि,देवर्षि-3
20.शिकायत करना-5
22.रनिवास-3
24.बेकार,आंवारा-3
26.छोटा टुकड़ा-2
27.अभिनय,कथा मंचन-3
28.सुगंध फैलाना-4

ऊपर से नीचे

1.सहसा,अकस्मात-4
2.एक प्रकार की शराब-2
3.प्रतिभाशाली-3
5.मननशील-5
6.चतुर्थ-2
8.नाव खेना-2,3
10.पासे फैंक कर भविष्य जानने की विद्या-3
13.पैर मारना-5
14.मन की इच्छा-5
17.प्रकार-3
19.टूटना,बिखरना-4
21.पराजित होना, हारना-3
23.चालीस किलो के वजन को यह भी कहते हैं-2
25.पथ,रास्ता,मार्ग-2

शब्द पहेली -8136 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का स्तर काफी ऊंचा, ग्रीनपार्क में उतनी सुविधाएं नहीं-राजीव शुक्ला

कानपुर (ईएमएस)। देश के पुराने पांच टेस्ट क्रिकेट सेंटरों में गिने जाने वाले उप्र के कानपुर महानगर के ग्रीनपार्क स्टेडियम में आगामी 27 सितंबर से भारत-बांग्लादेश टेस्ट मैच के रूप में 24वें मैच का आयोजन होगा। स्टेडियम में अगला टेस्ट मैच सिल्वर जुबली होगा, जो अगले वर्ष हो सकता है। यह बात बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने स्टेडियम का निरीक्षण करते हुए कही। उन्होंने कहा कि ग्रीनपार्क किसी ऐतिहासिक धरोहर से कम नहीं है। इसकी गरिमा बनाए रखनी चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का स्तर काफी ऊंचा हो गया है, उस लिहाज से ग्रीनपार्क में सुविधाएं नहीं हैं।

भारत-बांग्लादेश के बीच 27 सितंबर से होने वाले टेस्ट मैच की तैयारियों का जायजा लेने राज्यसभा सांसद व बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ग्रीनपार्क पहुंचे। निरीक्षण में वेन्यू डायरेक्टर डॉ. संजय कपूर व यूपीसीए के अधिकारी साथ रहे। स्टेडियम की घटती दर्शक क्षमता पर कहा कि यूपीसीए अपनी तरफ से जो कर सकता है, वह कर रहा है।

टेस्ट मैच के बाद दर्शक क्षमता बढ़ाने के लिए सरकार व प्रशासन से बात की जाएगी। बीसीसीआई उपाध्यक्ष ने यूपी टी-20 लीग के दूसरे संस्करण की सफलता पर कहा कि अगले सीजन में इसे दो स्टेडियम में कराने की योजना है। तीसरे सीजन में टीमों की संख्या बढ़ाने से मना करते हुए उन्होंने कहा कि अभी हम इन्हीं टीमों के साथ खेलेंगे।

हार के बाद भी निराश नहीं बांग्लादेश के कप्तान शांतो

चेन्नई (ईएमएस)। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो भारतीय टीम के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में मिली हार के बाद भी निराश नहीं हैं। उनकी टीम को पहले टेस्ट में 280 रन से बड़ी हार का सामना करना पड़ा पर शांतो ने कहा कि उनकी टीम दूसरे टेस्ट में जीत के प्रयास करेगी।

इसके साथ ही उन्होंने हसन महमूद, तस्कीन अहमद और नाहिद राणा की गेंदबाजी की भी प्रशंस की। शांतो ने पहली पारी में 20 जबकि दूसरी पारी में 82 रन बनाये थे। शांतो ने कहा, पहली पारी में हसन, तस्कीन और नाहिद राणा ने जिस तरह से गेंदबाजी की, वह हमारा दमदार पक्ष रहा। उन्होंने जीत का श्रेय भारतीय टीम को देते हुए कहा कि उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की। साथ ही कहा कि हमने नई गेंद से अच्छी गेंदबाजी की पर हमें लय बनाये रखनी होगी।

एक बल्लेबाज के रूप में मैं हमेशा योगदान देने की कोशिश करता हूं। मैं अपनी बल्लेबाजी का आनंद लेता हूं। परिणाम के बारे में सोचे बिना जितना संभव हो सके उतनी देर तक बल्लेबाजी करने की कोशिश करें, यही हम करना चाहते थे। भारतीय टीम ने आर अश्विन के ऑलराउंड प्रदर्शन से जीत दर्ज की।

संग्राम ने अपने पहले ही एमएमए मुकाबले में पाकिस्तान के नासिर को हराया

जॉर्जिया (ईएमएस)। भारत के संग्राम सिंह ने गामा इंटरनेशनल फाइटिंग चैंपियनशिप में अपना पहला ही मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) मुकाबला मुकाबला जीत लिया है। पहलवान संग्राम ने इस मुकाबले में पाकिस्तान के अली रजा नासिर को केवल एक मिनट और तीस सेकंड में ही हरा दिया। संग्राम अब मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स मुकाबला जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष पहलवान भी बन गये हैं।

संग्राम 93 किलोग्राम वर्ग में सबसे तेजी से जीत दर्ज करने वाले पहले भारतीय पहलवान हैं। संग्राम ने पाक पहलवान के सामने अपनी कुश्ती कौशल और रणनीतिक कौशल का बेहत प्रदर्शन करके मुकाबला जीत लिया। इस जीत से उत्साहित संग्राम ने कहा, मुझे भारत के लिए हासिल इस जीत से बेहद खुशी हुई है। इस जीत से भारत में एमएमएस की संभावनाएं आने वाले समय मे और बेहतर होंगी। मुझे उम्मीद है कि वैश्विक स्तर पर मान्यता मिलने से भारत में भी एमएमए की ओर युवा प्रेरित होंगे।

इस पहलवान ने कहा, इससे युवा खिलाड़ी एमएमएस में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए प्रोत्साहित होंगे। संग्राम ने जीत पर अपने कोचों का भी धन्वाद देते हुए कहा कि सफलता का श्रेय भी उन्हें दिया है। उन्होंने कहा, कोच भूपेश कुमार के अलावा विदेश कोच डेविड ने मुझे पूरा मार्गदर्शन दिया।

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए भारतीय टीम में नहीं हुआ बदलाव

चेन्नई (ईएमएस)। बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर में होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम घोषित कर दी गयी है। इस मैच के लिए चयनकर्ताओं ने भारतीय टीम में कोई बदलाव नहीं करते हुए उन्हीं खिलाड़ियों को बरकरार रखा है जो पहले टेस्ट में उतरे थे। भारतीय टीम ने जिस प्रकार पहले टेस्ट में शानदार जीत दर्ज की उससे भी चयनसमिति को बदलाव की जरुरत नहीं लगी।

भारतीय टीम ने रविवार को मैच के चौथे दिन की शुरुआती सत्र में ही 280 रनों से बड़ी जीत दर्ज की। चयनसमित हालांकि दूसरे टेस्ट के बाद होने वाले सीमित ओवरों के मुकाबले के लिए व्यस्त टेस्ट कार्यक्रम को देखते हुए प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और कुछ अन्य खिलाड़ियों को आराम दे सकती है। बीसीसीआई ने कहा, 'पुरुष चयन समिति ने बांग्लादेश के खिलाफ आईडीएफसी फर्स्ट बैंक टेस्ट श्रृंखला के दूसरे मैच के लिए वही टीम बरकरार रखी है जो पहले टेस्ट में शामिल थी। दूसरा टेस्ट मैच 27 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच खेला जाएगा। भारतीय टीम इस सीरीज में 1-0 से आगे है।

दूसरे टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है :

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आर अश्विन, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह, यश दयाल।

मुशफिकुर बांग्लादेश की ओर से सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

चेन्नई (ईएमएस)। बांग्लदेश के मुशफिकुर रहीम ने भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट में एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। मुशफिकुर बांग्लादेश की ओर से सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। मुशफिकुर ने अश्विन के ओवर में 13 रनों की पारी खेलकर ये रिकार्ड बनाया है। इसी के साथ ही इस बल्लेबाज ने सभी प्रारूपों में 464 मैचों में 20 शतकों और 82 अर्द्धशतकों सहित कुल 15,205 रन बना लिए हैं।

वहीं इससे पहले पूर्व कप्तान तमीम इकबाल ने 387 मैचों में 25 शतकों और 94 अर्धशतकों सहित कुल 15,192 रन बनाये थे। इसके अलावा अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने 446 मैचों में 14 शतकों और 100 अर्द्धशतकों के साथ 14,701 रन बनाये हैं और वह तीसरे स्थान पर हैं। पहली पारी में मुशफिकुर आठ रन ही बना पाये थे। मुशफिकुर ने अश्विन के ओवर में 13 रनों की पारी खेलकर ये रिकार्ड बनाया है।

ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को दूसरे एक दिवसीय में हराकर लगातार 14 वां मैच जीता

श्रीलंका की 13 जीत का रिकार्ड भी तोड़ा

लीड्स (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में भी जीत दर्ज कर पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले एकदिवसीय मैच में भी 68 रनों से जीत हासिल की थी। इस प्रकार एकदिवसीय क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया ने अपना लगातार 14 वां मैच जीता है। इसी के साथ ही कंगारुओं ने श्रीलंकाई टीम के लगातार 13 मैच जीतने के रिकार्ड को भी तोड़ दिया।

इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड को जीत के लिए 271 रनों का लक्ष्य दिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से सबसे अधिक 74 रन एलेक्स कैरी ने बनाए, जबकि कप्तान मिचेल मार्श ने 60 रन बनाये। वहीं मैथ्यू शॉर्ट और ट्रेविस हेड ने 29-29 रन बनाये। इस प्रकार ऑस्ट्रेलियाई टीम 44.4 ओवरों में ही 270 रनों पर सिमट गयी। वहीं इंग्लैंड के ब्रायडन कार्स ने 3 खिलाड़ियों को पेवेलियन भेजा।

इसके बाद इंग्लैंड की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 202 रन ही बना पायी। इंग्लैंड की ओर से सबसे ज्यादा 49 रन विकेटकीपर जेमी स्मिथ ने बनाए, जबकि ब्रायडन कार्स ने 26 व आदिल राशिद ने 27 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज बेन डकेट ने 32 रनों का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने 3 जबकि जोश हेजलवुड, आरोन हार्डी और ग्लेन मैक्सवेल ने 2-2 विकेट लिए। एडम जंपा ने भी एक विकेट लिया।

वैश्विक रुख, विदेशी निवेशकों की गतिविधियां तय करेगी शेयर बाजार की दिशाः विश्लेषक

- रुपये की चाल और ब्रेंट क्रूड की कीमतों में उतार-चढ़ाव से भी बाजार की दिशा प्रभावित होगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस सप्ताह घरेलू मोर्चे पर किसी प्रमुख घटनाक्रम के अभाव में घरेलू शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। उन्होंने कहा कि मासिक डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान की वजह से इस सप्ताह बाजार में कुछ उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा प्रमुख ब्याज दरों में 0.50 प्रतिशत की कटौती के बाद पिछले सप्ताह स्थानीय शेयर बाजारों में रिकॉर्ड तेजी देखने को मिली। बाजार के जानकारों ने कहा ?कि ऐतिहासिक रूप से अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती का उभरते बाजारों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है और भारत वैश्विक निवेशकों के बीच पसंदीदा गंतव्य बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि सप्ताह के दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने आक्रामक लिवाली की। अकेले शुक्रवार को ही एफआईआई ने भारतीय शेयर बाजारों में 14,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया। उन्होंने कहा ?कि इस सप्ताह बाजार को दिशा देने वाला कोई बड़ा संकेतक नहीं है। हालांकि, अमेरिका के वृहद आर्थिक आंकड़े बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। एफआईआई प्रवाह भारतीय शेयर बाजार के लिए एक महत्वपूर्ण कारक बना रहेगा, साथ ही घरेलू संस्थागत प्रवाह पर भी सभी की निगाह रहेगी।

हालांकि, बाजार फिलहाल भू-राजनीतिक जोखिमों से प्रभावित नहीं दिख रहा है, लेकिन यह आगे बाजार के लिए बड़ा खतरा पैदा कर सकता है। डेरिवेटिव निपटान की वजह से बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। बाजार के एक अन्य ?विश्लेषक कहते हैं ?कि बाजार धीरे-धीरे ऊपर चढ़ रहा है। हमें उम्मीद है कि मजबूत एफआईआई प्रवाह, स्वस्थ घरेलू वृहद कारक और अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मंदी के बारे में घटती चिंता के कारण इस सप्ताह भी इसकी सकारात्मक रफ्तार जारी रहेगी। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल और वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमतों में उतार-चढ़ाव से भी बाजार की दिशा प्रभावित होगी। उन्होंने कहा कि हालांकि फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की प्रमुख घटना पीछे रह गई है, लेकिन आगे भी बाजार की दिशा के लिए सभी का ध्यान अमेरिका पर रहेगा। इसके अलावा विदेशी कोषों के प्रवाह और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव पर भी निवेशकों की निगाह रहेगी।

फ्रांस ने की भारत को परमाणु पनडुब्बियों के निर्माण में मदद की पेशकश

पेरिस,(ईएमएस)। भारत और फ्रांस ने अपनी रणनीतिक रक्षा साझेदारी को मजबूती देने की दिशा में अहम कदम उठाने की योजना बनाई है। फ्रांस ने भारत को परमाणु पनडुब्बियों के निर्माण में मदद की पेशकश की है, साथ ही 110 किलो-न्यूटन थ्रस्ट विमान इंजन और अंडरवाटर ड्रोन तकनीक के 100 फीसदी ट्रांसफर का भी ऑफर दिया है। ये मुद्दे भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के राजनयिक सलाहकार के बीच होने वाली रणनीतिक वार्ता में उठाए जाएंगे। बैठक 30 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच पेरिस में होगी।

फ्रांस और भारत के बीच पहले से ही कई क्षेत्रों में सहयोग चल रहा है, जिसमें स्पेस तकनीक अहम है। फ्रांस की पनडुब्बी निर्माण संबंधी पेशकश भारतीय नौसेना की भविष्य की योजनाओं के लिए खास मायने रखती है, जब वह परमाणु हमले वाली पनडुब्बियों के निर्माण पर काम कर रही है। इसके अलावा, फ्रांस ने भारत को हवा, सतह और अंडरवाटर पूर्ण स्पेक्ट्रम स्वायत्त प्रणाली की भी पेशकश की है, जो भारत की खुफिया, निगरानी और टोही क्षमताओं को बढ़ाने में मददगार साबित होगी।

डोभाल अपनी पेरिस यात्रा के दौरान सफ्रान इंजन के चेयरमैन रॉस मैकइन्स से मिलकर उनके प्रस्ताव पर चर्चा करेंगे। सफ्रान ने भारत को उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) प्रोजेक्ट के लिए 110 केएन इंजनों के संयुक्त निर्माण की पेशकश की है। यह इंजन भारत की संप्रभु संपत्ति बनेगा, जिसे यह बिना किसी प्रतिबंध के तीसरे देशों को निर्यात कर सकता है।

फ्रांस लंबे समय से भारत का एक विश्वसनीय हथियार आपूर्तिकर्ता रहा है, और यह साझेदारी भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को सुदृढ़ करने में मददगार साबित होगी। दोनों देशों ने हिंद महासागर में ध्यान केंद्रित करते हुए इंडो-पैसिफिक में सहयोग को गहरा करने का भी फैसला लिया है। इसके अलावा, डोभाल मैक्रो से मिलकर यूक्रेन-रूस संघर्ष पर भारत के प्रयासों पर भी चर्चा करेंगे, जिसमें मैक्रो ने हाल ही में भारत के प्रयासों की सराहना की है।

भारत ने पहले टेस्ट में बांग्लादेश को 280 रनों से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की

चेन्नई (ईएमएस)। भारतीय टीम ने यहां के एम.ए. चिदंबरम स्टेडियम में खेल गये पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में बांग्लादेश को 280 रनों से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। भारतीय टीम की जीत में आर अश्विन की अहम भूमिका रही। अश्विन ने जहां पहली पारी में शतक लगाया। वहीं दूसरी पारी में 6 विकेट लेकर बांग्लादेशी टीम को समेट दिया। भारतीय टीम ने इस मैच में बांग्लादेश को जीत के लिए 515 रनों का लक्ष्य दिया था जिसका पीछा करते हुए बांग्लादेश की पूरी टीम खेल के चौथे दिन ही पहले सत्र में 234 रनों पर ही आउट हो गयी।

इस मैच में अश्विन के शतक से ही भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 376 रन बनाए। वहीं बांग्लादेशी टीम इसके जवाब में 149 रनों पर ही आउट हो गयी। इस प्रकार भारतीय टीम को पहली पारी के आधार पर 227 रनों की विशाल बढ़त मिली। भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी चार विकेट पर 287 रन बनाकर घोषित कर दी। ऐसे में बांग्लादेश की टीम जीत के लिए 515 रनों का मुश्किल लक्ष्य मिला जो वह हासिल नहीं कर पायी।

515 रनों के कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाजों जाकिर हसन और शादमान इस्लाम ने आक्रामक शुरुआत की। दोनों ने ही भारतीय टीम के तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की गेंदों पर अच्छे शॉट लगाये। टीम ने टी-ब्रेक तक ही बिना विकेट खो 50 से अधिक रन बना लिये पर पर जाकिर हसन 35 और शादमान के 33 रनों पर आउट होने के बाद टीम की बल्लेबाजील बिखर गयी। शादमान के बाद मोमिनुल हक और मुशफिकुर रहीम भी एक के बाद एक आउट हो गये। इसके बाद ये सिलसिल पारी रहा। बांग्लादेश ने दिन की शुरुआत चार विकेट पर 158 रन से आगे से करते हुए पहले सत्र के अंदर 76 रन जोड़ कर बाकी बचे छह विकेट गंवा दिये। भारतीय टीम की ओर से अश्विन ने छह जबकि रविंद्र जडेजा ने तीन विकेट लिए

वहीं इससे पहले दूसरी पारी में भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। यशस्वी जायसवाल और रोहित टीम शुरुआत में ही आउट हो गये। जायसवाल 10 जबकि रोहित 5 रन बनाकर आऊट हो गए। विराट भी 17 रन ही बना पाये। इसके बाद शुभमन गिल और ऋषभ पंत ने शतकीय पारियां खेलकर भारतीय टीम को संभाला। ऋषभ ने जहां 128 गेंदों पर 13 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 109 रन बनाए जबकि शुभमन ने 176 गेंदों पर 10 चौके और 4 छक्कों की मदद से नाबाद 119 रन बनाए। वहीं केएल रहुल ने 22 रन बनाये।

आयात शुल्क घटने के बाद सोने की विदेशी सप्लाई बढ़ी गोल्ड इम्पोर्ट तिगुना हुआ, त्योहारों में मांग 30 प्रतिशत बढ़ेगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में सोने के दाम एक महीने में 4.2 प्रतिशत (2,985 रुपए/ग्राम) बढ़कर 74,093 रुपए प्रति दस ग्राम हो गया। बजट में आयात शुल्क (इम्पोर्ट डयूटी) घटने के बाद दाम जितना घटा था, उससे ज्यादा बढ़ चुका है। बावजूद इसके जानकारों का मानना है कि त्योहारी सीजन में सोने की मांग रिकॉर्ड बनाएगी।

आयात शुल्क घटने से विदेश से सोना मंगाना आसान हो गया। यह देश के सभी ज्वेलर्स के पास पहुंच रहा है। एक अनुमान के अनुसार इस बार त्योहारी सीजन में सोने की मांग 30 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ेगी। आम बजट में सोने पर आयात शुल्क घटने के बाद अगस्त में भारत का सोने का आयात तीन गुना से ज्यादा बढ़ा है।

वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, अगस्त में मासिक आधार पर आयात 10.06 अरब डॉलर (84,453.7 करोड़ रुपए) रहा, जो जुलाई में 3.13 अरब डॉलर (26,276.35 करोड़ रुपए) था। इस तेजी की बड़ी वजह त्योहारी सीजन है। इसमें भारी मांग निकलने की उम्मीद है। सोने पर आयात शुल्क 15 प्रतिशत था, जो बजट में 6 प्रतिशत कर दिया गया।

त्योहार के दौरान ऊंची रहेगी सोने की मांग

जानकारों के अनुसार वैश्विक बाजार में दाम घटने से अनुमान लगाया जा रहा है कि त्योहार के दौरान सोने की मांग ऊंची रहेगी। वजह यह है कि अब ज्यादातर सोना वैध रास्तों से भारत आएगा। जेम्स एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के चेयरमैन विपुल शाह का कहना है, 'आयात शुल्क घटने से विदेशों से सोने की आमद बढ़ गई है।'

दिसंबर तक 42 लाख शादियां बढ़ाएंगी डिमांड

कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के अनुसार, नवंबर-दिसंबर में 42 लाख शादियां होने वाली हैं। इसमें करीब 5.5 लाख करोड़ रु. खर्च होंगे। ज्वेलरी उन तीन प्रमुख सेक्टर में शामिल है, जिसे इस खर्च का बड़ा हिस्सा मिलेगा।

ज्वेलरी के साथ सिक्के-छड़ भी डिमांड में

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटीज एंड करंसी हेड अनुज गुप्ता अमेरिकी फेड ने ब्याज दरों में 0.5 प्रतिशत की अप्रत्याशित कटौती से डॉलर कमजोर हुआ है। ऐसे में सोने समेत दूसरी असेट क्लॉस अचानक चमक गई हैं। नवरात्र के बाद त्योहारी सीजन पूरे रंग में आने वाला है। ऐसे में सोने की खासी डिमांड बनती दिख रही है। लोग ज्वेलरी के साथ सोने के सिक्के और छड़ खरीदना चाहते हैं। देश में त्योहारी और शादी के सीजन में सोने की मांग पिछले साल से 30 प्रतिशत तक ज्यादा निकल सकती है। देश के शेयर बाजारों से भी निवेशक कुछ पैसा निकालकर सोने में खरीद कर रहे हैं, ताकि बाजार में करेक्शन आने पर वे निवेश का हिस्सा सोने के रूप में सुरक्षित कर सकें।

अपने ही वायरस की चपेट में चीन

- इंसानों के दिमाग पर करता है असर

नई दिल्ली (ईएमएस)। चीन में एक नया वायरस मिला है। ये किलनी यानी टिक के काटने से फैलता है। डरने वाली बात ये है कि इस वायरस से दिमागी बीमारियां होती हैं। यानी न्यूरोलॉजिकल। इस वायरस का नाम है वेटलैंड वायरस। इसकी खोज कोरोना से पहले जून 2019 में जिनझोऊ शहर में हुई थी। तब से इस पर रिसर्च चल रही है। इसके बारे में हाल ही में द न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में रिपोर्ट पब्लिश हुई है। इसके लक्षणों में बुखार, सिरदर्द और उलटियां आना शामिल है।

इस वायरस से सबसे पहले 61 वर्षीय चीनी नागरिक संक्रमित हुए। वो उत्तरी चीन के इनर मंगोलिया इलाके में एक बड़े वेटलैंड एरिया के पार्क में घूम रहे थे, जब उन्हें इस वायरस ने संक्रमित किया। वायरस उनके शरीर में किलनी की काटने से पहुंचा। किलनी इस पार्क में बहुत ज्यादा मात्रा में हैं। ये वारयस बेहद कम मात्रा में कुछ भेड़ों, घोड़ों, सुअरों और ट्रांसबैकल जोकोर प्रजाति के चूहों में मिला है। इस वायरस के संक्रमण से इंसान को बुखार, थकान, नींद आते रहना, सिरदर्द, पीठ-कमर में दर्द, बेचैनी, उलटी आना और डायरिया जैसे लक्षण दिखते हैं। कुछ मरीजों में टिशु डैमेज होना और ब्लड क्लॉट होते हुए भी देखा गया है। चीन में यह वायरस फैल रहा है। मेडिकल टीम और सरकार इस पर नजर रख रही है।

काफी खतरनाक है वायरस

एंटीबायोटिक्स से इस वायरस पर कोई असर नहीं हुआ। जब पीडित के खून से डीएनए और आरएनए की जांच की गई, तब पता चला कि इससे पहले कभी ऐसा वायरस देखा ही नहीं गया है। ये ओर्थोनएयरोवायरस परिवार का है। इस वायरस से एक और खतरनाक जानलेवा लाइलाज दुर्लभ बीमारी होती है। इसका नाम है क्रीमियन-कॉन्गो हेमोरेजिक फीवर। ये भी किलनी के काटने से फैलती है। लेकिन दिक्कत ये है कि वेटलैंड वायरस पहले कभी जानवरों या इंसानों में नहीं देखा गया। इसके बाद वैज्ञानिकों ने उस इलाके से 14,600 किलनी जमा किए। उनकी जांच की गई। पता चला कि किलनी की पांच प्रजातियां इस वायरस को डेवलप कर सकती है। लेकर चलती है।

यूक्रेन के ड्रोनों ने शस्त्रागारों को बनाया निशाना, रुस को हुआ भारी नुकसान

कीव,(ईएमएस)। यूक्रेन के ड्रोन हमले में रूस के एक और शस्त्रागार को भारी नुकसान पहुंचा है। यह शस्त्रागार रूस में सीमा से काफी अंदर मौजूद था। शस्त्रागार में लगी आग से गोला-बारूद, मिसाइल और अन्य हथियारों में विस्फोट से बचाव के लिए नजदीक से गुजर रहे राजमार्ग पर आवागमन रोक दिया गया है।

यूक्रेनी सेना ने क्रीमिया और रूस पर हमले के लिए 100 से ज्यादा ड्रोन छोड़े थे। इनमें से ज्यादातर को रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने मार गिराया लेकिन कुछ बच गए ड्रोनों ने रूसी शस्त्रागार को निशाना बनाया। यह शस्त्रागार यूक्रेन सीमा से करीब 500 किलोमीटर दूर स्थित टोरोपेट्स कस्बे में है।

यह कस्बा रूस की राजधानी मॉस्को से 380 किलोमीटर दूर है। टेलीग्राम पर पोस्ट फोटो में शस्त्रागार में भीषण आग लगी दिखाई दे रही है। रूस के ही क्रैस्नोदर क्षेत्र में भी एक शस्त्रागार में आग लगने से मिसाइलों के फटने की सूचना है। वहां के फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

इजराइल ने अल जजीरा आफिस पर मारा छापा, करवाया काम बंद

तेलअवीव,(ईएमएस)। इजराइली सेना ने रविवार तड़के इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में अल जजीरा के आफिस पर छापा मार और वहां मौजूद लोगों को तुरंत काम बंद करने का आदेश दिया। अल जजीरा ने अपने अरबी चैनल पर इजराइली सेना के एक फुटेज का सीधा प्रसारण किया जिसमें सैनिक उसके आफिस को 45 दिन तक बंद रखने का आदेश दे रहे हैं। अल जजीरा गाजा पट्टी में इजराइल-हमास युद्ध का प्रसारण कर रहा है।

इजराइल ने पहले भी पूर्वी यरुशलम में अल जजीरा के ऑफिस पर छापा मारा था, और उपकरण जब्त कर लिए थे, इजराइल में उसके प्रसारण पर रोक लगा दी थी आज़ैर उसकी वेबसाइट्स भी बैन कर दी थी।

सरकारी कर्मचारियों को अब दो साल और मिलेगा एलटीसी का लाभ

- अब 25 ?सितंबर 2026 तक कर सकेंगे जम्मू कश्मीर, अंडमान ?निकोवार और पूर्वोत्तर क्षेत्र की हवाई यात्रा

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने लीव ट्रैवल कंसेशन (एलटीसी) के तहत जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और पूर्वोत्तर क्षेत्र की यात्रा की अनुमति देने वाली योजना को दो साल तक बढ़ा दिया है। अब सरकारी कर्मचारी जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और पूर्वोत्तर क्षेत्र की हवाई यात्रा 25 सितंबर 2026 तक कर सकेंगे। पहले यह योजना 25 सितंबर 2024 को समाप्त हो रही थी। पात्र केंद्र सरकार के कर्मचारियों को एलटीसी का लाभ उठाने पर पेड लीव के अलावा आने-जाने की यात्रा के टिकटों की प्रतिपूर्ति भी मिलती है। कार्मिक मंत्रालय ने एक आदेश में कहा गया है कि सभी पात्र कर्मचारी चार साल की ब्लॉक अवधि में अपने एक होम टाउन एलटीसी में बदलाव के बदले जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और पूर्वोत्तर क्षेत्र में किसी भी स्थान पर जाने के लिए एलटीसी के हकदार हैं, जो एम्पलॉई एयर ट्रैवल के हकदार नहीं हैं, उन्हें भी इन क्षेत्रों के लिए किसी भी एयरलाइन की इकोनॉमी क्लास में यात्रा की अनुमति दी गई है। आदेश के मुताबिक सरकारी कर्मचारी जो हवाई यात्रा के लिए इलिजिबल हैं, वे अपने हेडक्वार्टर से हकदार श्रेणी में फ्लाइट बुक कर सकते हैं। गैर-हकदार कर्मचारी कुछ खास रूट्स पर इकोनॉमी क्लास में हवाई यात्रा कर सकेंगे। इन रुट्स में कोलकाता, गुवाहाटी और पूर्वोतर क्षेत्र में किसी भी स्थान के बीच कोलकाता, चेन्नई, विशाखापत्तनम और पोर्ट ब्लेयर के बीच तथा दिल्ली, अमृत सर और जम्मू-कश्मीर, लद्दाख के किसी भी स्थान के बीच के रूट शामिल हैं।

2.5 रुपये प्रति किलोमीटर किराए पर लें बैटरी.......एमजी कॉमेट से घूमे देश

मुंबई (ईएमएस)। एमजी मोटर इंडिया ने कॉमेट और जेडएस ईवी के लिए बैटरी-एज-ए-सर्विस (बीएएएस) प्रोग्राम शुरू किया है। इसी योजना के तहत हाल में एमजी विंडसर को लांच किया गया है। इस प्रोग्राम के शुरू होने के बाद अब लोग बैटरी के बिना कार खरीद सकते हैं और बैटरी को किराए पर लेकर इस्तेमाल कर सकते हैं। इस प्रोग्राम में कॉमेट और जेडएस ईवी के शामिल होने पर यह पहले से ज्यादा फायदेमंद हो गई है। एमजी कॉमेट को बीएएएस प्रोग्राम में शामिल किया गया है, जिसके बाद अब शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 4.99 लाख रुपये है। इसकी बैटरी पर 2.5 रुपये प्रति किलोमीटर का किराया लिया जाएगा। वहीं, जेडएस ईवी की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 13.99 लाख रुपये हो गई है। इसकी बैटरी के लिए आपको 4.5 रुपये प्रति किलोमीटर देना पड़ेगा। इस प्रोग्राम में चार्जिंग कीमतें बैटरी के किराए से अलग होंगी।

अगर आप बीएएएस प्रोग्राम के तहत एमजी कॉमेट को खरीदने पर यह 2 लाख रुपये कम में पड़ेगी, जबकि जेडएस ईवी आपको 4.99 लाख रुपये में मिलेगी। हालांकि कंपनी की तरफ से बैटरी के बिना किसी भी कार की विस्तृत वेरिएंट वाइज कीमतों की घोषणा नहीं की है। इस प्रोग्राम को लेकर एमजी की तरफ से कहा जा रहा है कि बीएएएस प्रोग्राम से ईवी की शुरुआती अधिग्रहण लागत कम होगी, जबकि यह लंबे समय तक चलने की लागत को भी कम करता है।

एमजी का लाया गया बीएएएस प्रोग्राम एक बैटरी रेंटल स्कीम है, लेकिन यह चार विशिष्ट थर्ड-पार्टी फाइनेंसरों द्वारा समर्थित एक फाइनेंस स्कीम है। लोगों को इसके लिए प्र-पेमेंट करना पड़ेगा या फिर लोन के जरिए। वहीं, लोगों को बैटरी के लिए किराए के आधार पर अलग से पेमेंट करना पड़ेगा। हाल में एमजी ने चार फाइनेंसरों को शामिल किया है, जो बजाज फाइनेंस लिमिटेड, हीरोफिन कॉर्प, विद्युतटेक सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, और इकोफाई और ऑटोवर्ट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड है।

एनसीएलएटी ने आरकॉम के खिलाफ कर दावे को खारिज किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। एनसीएलएटी ने रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) से बकाया का दावा करने वाली राज्य कर विभाग की याचिका को खारिज कर दिया है। कंपनी के खिलाफ बकाया का दावा दिवाला कार्यवाही शुरू होने के बाद किए गए आकलन पर आधारित था। एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ के आदेश को बरकरार रखा,

क्वाड बैठकः सदस्य देशों ने किया अस्थिर और एकतरफा कार्रवाई का विरोध

उत्तर कोरिया और चीन पर निशाना

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन के गृहनगर डेलावेयर में क्वाड शिखर सम्मेलन में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हुए हैं। क्वाड शिखर सम्मेलन में रूस-यूक्रेन युद्ध, आतंकवाद और चीन को लेकर चर्चा हुई। वहीं क्वाड नेताओं ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि हम आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद की निंदा करते हैं।

बयान में कहा गया है कि हम ऐसे आतंकवादी हमलों के अपराधियों के लिए जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम मुंबई, पठानकोट और 26/11 के हमलों की निंदा करते हैं और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद 1267 प्रतिबंध समिति द्वारा उचित रूप से नामित करने की हमारी प्रतिबद्धता को दोहराते हैं। बयान में कहा गया है कि हम एक साथ करीब दो बिलियन लोगों और वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के एक तिहाई से ज्यादा का प्रतिनिधित्व करते हैं। हम एक स्वतंत्र और खुले इंडो-पैसिफिक के लिए अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं जो समावेशी और लचीला है। हम वैश्विक सुरक्षा और समृद्धि के लिए गतिशील क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए साथ खड़े हैं। हम किसी भी अस्थिर या एकतरफा कार्रवाई का विरोध करते हैं जो बल या जबरदस्ती से यथास्थिति को बदलने की कोशिश करते हैं। हम क्षेत्र में हाल ही में किए गए अवैध मिसाइल प्रक्षेपणों की निंदा करते हैं जो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का उल्लंघन करते हैं।

क्वाड नेताओं ने कहा कि हम उत्तर कोरिया के अस्थिर करने वाले बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपणों और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के कई प्रस्तावों का उल्लंघन करते हुए परमाणु हथियारों की निरंतर खोज की निंदा करते हैं। ये प्रक्षेपण अंतर्राष्ट्रीय शांति और स्थिरता के लिए गंभीर खतरा हैं। हम उत्तर कोरिया से सभी दायित्वों का पालन करने, आगे के उकसावे से बचने और ठोस बातचीत में संलग्न होने का आग्रह करते हैं और सभी देशों से यूएनएससीआरएस को पूरी तरह से लागू करने का आह्वान करते हैं।

क्वाड बैठकः किम जोंग उन की निंदा, यूक्रेन में शांति बहाली पर दिया जोर

वाशिंगटन,(ईएमएस)। क्वाड समिट 2024 अमेरिका में चल रही है, जिसमें अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत शामिल हैं। इस बैठक के बाद क्वाड ने एक संयुक्त बयान जारी किया है, जिसमें उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन की निंदा की गई है। साथ ही, रूस का नाम लिए बिना यूक्रेन में शांति बहाल करने की जरुरत पर भी जोर दिया गया है।

क्वाड का यह संयुक्त बयान इस समय खास महत्व माना जा रहा है, जब रूस, ईरान की मदद से यूक्रेन के खिलाफ युद्ध लड़ रहा हैं। हाल के दिनों में ईरान ने भारत के खिलाफ भी विवादास्पद टिप्पणियां की हैं। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह ख़ामेनेई ने पिछले दिनों कहा था कि भारत उन देशों में शामिल है जहां मुसलमान खराब परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने म्यांमार, गाजा और भारत का उदाहरण देते हुए कहा था कि हम मुसलमानों की पीड़ा से बेख़बर नहीं है।

ऐसे में क्वाड का यह बयान भारत के प्रति एक प्रकार की समर्थन की भावना दर्शाता है। क्वाड नेताओं ने शनिवार को उत्तर कोरिया द्वारा परमाणु हथियारों की खोज और बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपण की निंदा की है। उन्होंने कोरियाई प्रायद्वीप के पूर्ण परमाणु निरस्त्रीकरण के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उत्तर कोरिया नियमित रूप से जापान की सीमा के आसपास बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण करता रहा है, जो क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए चिंता का विषय है।

क्वाड के संयुक्त बयान में यह भी कहा गया कि उन्हें उन देशों के बारे में भी चिंता है जो उत्तर कोरिया के साथ सैन्य सहयोग बढ़ा रहे हैं, क्योंकि यह वैश्विक अप्रसार व्यवस्था को कमजोर करता है। इसमें रूस की गतिविधियों पर निशाना साधा गया है, जिसने हाल ही में उत्तर कोरिया के साथ अपने सैन्य संबंधों को बढ़ाया है। क्वाड समिट का यह बयान वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में महत्वपूर्ण बदलावों का संकेत देता है और यह दर्शाता है कि कैसे ये चार देश सामूहिक रूप से अपने हितों की रक्षा करने के लिए तैयार हैं।

बांग्लादेश ने जानी दुश्मन से मिलाया हाथ, अब खरीद रहा खतरनाक गाइडेड मिसाइल

ढाका,(ईएमएस)। पाकिस्तान को जानी दुश्मन मानने वाला बांग्लादेश अब पाकिस्तान से हथियार खरीदने के लिए समझौता कर रहा है। बांग्लादेश की सेना पाकिस्तान से खतरनाक बक्तार शिकन एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल खरीदने की तैयारी कर रही है। बांग्लादेश ने हाल ही में पाकिस्तान ऑर्डिनेंस फैक्ट्री से आर्टिलरी एम्यूनिशन और एटीजीएम का ऑर्डर दिया है। इससे सवाल उठा रहे हैं कि क्या बांग्लादेश इन हथियारों का इस्तेमाल कहां और किस तरह करेगा। क्या यह भारत के लिए चिंता का विषय है?

पाकिस्तान की एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल बक्तार शिकन देखने में चीन के नॉर्निको एचजे-8 यानी हॉन्ग जैन-8 जैसी दिखती है। पाकिस्तान ने इसका निर्माण अपने यहां किया और उसका नाम बदल दिया। यह अपने टारगेट को ऑप्टिकल एमिंग, इंफ्रारेड ट्रैकिंग के जरिए हिट करता है। इसे रिमोट से कंट्रोल किया जा सकता है। साथ ही तार से ट्रांसमिट होने वाले गाइडेंस सिग्नल से भी टारगेट तक पहुंचाया जा सकता है।

इस पूरे सिस्टम का वजन 250 किलोग्राम होता है। इसे ट्राईपॉड पर लगाया जाता है। यह कंधे पर रखकर नहीं दागी जाती है। इसकी लंबाई 5.13 फीट और व्यास 4.72 इंच है। इस मिसाइल लॉन्चर में जो मिसाइल दागी जाती है, उसमें आमतौर पर हीट वॉरहेड लगाया जाता है यानी हाई-एक्सप्लोसिव एंटी-टैंक हथियार। जो किसी भी टैंक से टकराने के बाद उसकी धज्जियां उड़ा देता है उसमें विस्फोट करके आग लगा देता है। ऐसे में दुश्मन के सैनिक टैंक में ही जलकर खाक हो जाते हैं। टैंक बर्बाद हो जाता है। इस हथियार के बांग्लादेशी सेना के पास होने से भारतीय सीमा पर थोड़ी दिक्कत आ सकती है लेकिन ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा। क्योंकि भारतीय सेना के पास ज्यादा हल्के, सटीक, तेज और वैराइटी के एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइलें हैं, जो इन हथियारों को नष्ट करने की ताकत रखती हैं।

हिजबुल्लाह का जवाबी हमला, उत्तरी इजरायल पर दागे ताबड़तोड़ रॉकेट

-इजरायल ने कई क्षेत्रों में लगाया कर्फ्यू, लोगों के लिए जारी की गाइडलाइन

तेल अवीव,(ईएमएस)। हिजबुल्लाह ने रविवार सुबह इजरायल पर ताबड़तोड़ रॉकेट हमले किए हैं, जो उसके हालिया नुकसान का बदला माना जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक हिजबुल्लाह ने एक ही दिन में 300 से ज्यादा रॉकेट इजरायल पर दागे, जिनमें से 85 रॉकेट केवल आधे घंटे में दागे।

हिजबुल्लाह के हमले उत्तरी इजरायल पर केंद्रित थे, जहां कुल 11 प्रमुख हमलों में छह बड़े हमले शामिल थे। ये हमले हाइफा और नहरिया शहर के पास वाले इलाकों में हुए। इजरायली सेना आईडीएफ ने ज्यादातर रॉकेटों को नष्ट कर दिया, लेकिन कुछ रॉकेट उत्तरी इजरायल के कई क्षेत्रों में गिरे हैं।

आईडीएफ ने बताया कि रविवार सुबह लेबनान से प्रोजेक्टाइल का आगमन देखा गया। इसके तुरंत बाद इजरायली एयर डिफेंस सक्रिय हो गया और सायरन बजने लगे। कुछ रॉकेटों को विफल कर दिया गया, लेकिन कुछ किर्यत बालिक, त्सुर शालोम और मोरेशेट में गिरे हैं। इस स्थिति को देखते हुए इजरायल ने उत्तरी इजरायल के कुछ क्षेत्रों में कर्फ्यू लगा दिया है और सभी शिक्षण संस्थान बंद कर दिए गए हैं। होम ंट डिफेंसिव गाइडलाइन में भी बदलाव किया गया है, जिसके तहत रविवार सुबह 6 बजे से सोमवार शाम 6 बजे तक नए निर्देश जारी कर दिए हैं।

नए दिशा निर्देशों के मुताबिक खुली जगहों पर केवल 10 लोग ही जमा हो सकते हैं, जबकि बंद स्थानों में 100 के करीब लोग। इसके अलावा समुद्री बीच भी बंद कर दिए गए हैं और लोगों को केवल उन जगहों पर ही जाने की अनुमति है, जो शेल्टर के पास या तय मानकों के मुताबिक बनाए गए ऑफिस हैं। इस स्थिति से अब इजरायल की सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया है, बल्कि क्षेत्र में तनाव भी बढ़ गया है। दोनों पक्षों के बीच बढ़ते संघर्ष को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय की भी चिंताएं बढ़ गई है और स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिशें शुरु कर दी गई हैं। बता दें लेबनान में पेजर ब्लास्ट के बाद से हिजबुल्लाह ने इजराइल पर हमले की धमकी दी थी।

बीते सप्ताह सोयाबीन तिलहन के भाव कमजोरी के साथ बंद

- सरसों दाने का थोक भाव 75 रुपये बढ़कर 6,675-6,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद

नई दिल्ली (ईएमएस)। बीते सप्ताह देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में ऊंचे भाव पर कम कारोबार के बीच मूंगफली तेल-तिलहन तथा डी-आयल्ड केक (डीओसी) की कमजोर मांग से सोयाबीन तिलहन के भाव गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं बाजार में विशेषकर नरम तेलों (सॉफ्ट आयल) की कम आपूर्ति की स्थिति के बीच सरसों तेल-तिलहन, सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल तथा बिनौला तेल के भाव सुधार के साथ बंद हुए।

बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि ऊंचे दाम पर कम कारोबार तथा नई फसल की आवक के बीच मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट दर्ज हुई। जबकि डीओसी की कमजोर मांग से सोयाबीन तिलहन के दाम भी सप्ताहांत में गिरावट के साथ बंद हुए। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 75 रुपये बढ़कर 6,675-6,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 250 रुपये बढ़कर 14,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 40-40 रुपये की मजबूती के साथ क्रमशः 2,175-2,275 रुपये और 2,175-2,290 रुपये टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमशः 70-70 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,830-4,880 रुपये प्रति क्विंटल और 4,605-4,740 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसके विपरीत सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 1,000 रुपये, 700 रुपये और 650 रुपये बढ़कर क्रमशः 12,850 रुपये, 12,450 रुपये और 9,250 रुपये क्विंटल पर बंद हुए। मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में भी पिछले सप्ताहांत के मुकाबले गिरावट का रुख रहा। मूंगफली तिलहन 125 रुपये की गिरावट के साथ 6,350-6,625 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 275 रुपये की गिरावट के साथ 15,100 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 40 रुपये की गिरावट के साथ 2,270-2,570 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ।

वहीं कम आपूर्ति की स्थिति के कारण कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 450 रुपये की तेजी के साथ 11,550 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 1,000 रुपये के सुधार के साथ 13,150 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 1,050 रुपये के सुधार के साथ 12,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। कम स्टॉक के बीच मांग निकलने से समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल 650 रुपये के सुधार के साथ 12,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

आइसलैंड में दिखा दुर्लभ भालू, खतरा जान पुलिस ने मार दी गोली

वोस्टफजॉर्ड्र्स,(ईएमएस)। आइसलैंड के एक गांव में दुर्लभ रूप से एक ध्रुवीय भालू नजर आया, जिसे पुलिस ने स्थानीय लोगों के लिए खतरा बताते हुए गोली मारकर उसकी जान ले ली। बता दें कि यह भालू आठ साल में पहली बार नजर आया था। पर्यावरण एजेंसी के परामर्श के बाद 19 सितंबर को उत्तर पश्चिमी आइसलैंड में भालू को मार दिया गया।

मीडिया रिपोर्ट में स्थानीय पुलिस ने भालू के बारे में बताया कि यह ऐसा कुछ नहीं है जो हम करना पसंद करते हैं। उन्होंने कहा कि भालू एक घर के बहुत पास था। वहां एक बूढ़ी औरत रहती थी। महिला जो उस समय अकेली थी उसने डर की वजह से खुद को घर में बंद कर लिया था क्योंकि भालू उसके कचरे को खंगाल रहा था। उसने मदद के लिए अपनी बेटी से संपर्क किया।

पुलिस ने बताया कि वहां रहने वाले अन्य लोग भालू के खतरे को देखते हुए पहले ही इस इलाके को छोड़कर चले गए थे। ओलेर भालू आइसलैंड के मूल निवासी नहीं हैं, वह कभी-कभी बर्फ पर तैरते हुए ग्रीनलैंड से यहां आ जाते हैं। 19 सितंबर को मारा गया भालू 2016 के बाद से आइसलैंड में पहली बार नजर आया था। नौवीं शताब्दी के बाद से इसे केवल 600 बार ही देखा गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि भालू का वजन करीब 150 से 200 किलोग्राम होगा, जिसे आगे के अध्ययन के लिए आइसलैंडिक इंस्टीटयूट ऑफ नेचुरल हिस्ट्री ले जाया जाएगा। वहां इस पर अध्ययन किया जाएगा।

मार्क्सवादी दिसानायके होंगे श्रीलंका के राष्ट्रपति! क्या चीन के लिए दिखाएंगे नरमी

कोलंबो,(ईएमएस)। मार्क्सवादी नेता अनुरा कुमारा दिसानायके श्रीलंका के राष्ट्रपित चुन लिए गए हैं। राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतकर अनुरा ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने चुनाव प्रभावशाली बढ़त से जीता है, जिसमें उन्हें करीब 53फीसदी वोट मिले हैं। दिसानायके जो कोलंबो जिले के सांसद हैं और राष्ट्रीय जनता शक्ति (नेशनल पीपुल्स पावर) और जनता विमुक्ति पेरमुना (जेवीपी) पार्टी का नेतृत्व करते हैं। उन्होंने इस चुनाव में कई सुधारों का वादा किया था। उन्होंने कहा था कि वे भ्रष्टाचार विरोधी उपायों और गरीबों के कल्याण पर ज्यादा ध्यान देंगे।

चुनाव प्रचार के दौरान दिसानायके ने आम चुनाव में नया जनादेश हासिल करने के लिए 45 दिनों के अंदर संसद को भंग करने का भी वादा किया था। उनकी नीतियों ने उन्हें श्रीलंका की राजनीति में एक प्रमुख नेता के रूप में स्थापित कर दिया है, जो समाज के कमजोर वर्गों के अधिकारों की रक्षा और विकास के प्रति प्रतिबद्ध हैं।

दिसानायके की जीत ने श्रीलंका के राजनीतिक परिदृश्य में नई उम्मीद जगाई है, खासकर जब देश आर्थिक संकट से जूझ रहा है। दिसानायके की मार्क्सवादी पृष्ठभूमि और चीन के प्रति उनका झुकाव चिंता का विषय है, लेकिन दिसानायके ने साफ किया है कि वे सभी प्रमुख शक्तियों के साथ संबंधों को मजबूत करने के पक्षधर हैं, जिसमें भारत भी शामिल है। उनकी इस जीत से न केवल श्रीलंका की राजनीतिक दिशा में बदलाव आएगा, बल्कि यह देश के आर्थिक पुनरुद्धार के लिए भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।

अनुरा कुमारा दिसानायके अपने प्रभावशाली भाषणों के लिए भी जाने जाते हैं। उन्होंने अपने चुनावी घोषणा पत्र में करों में कटौती का वादा किया था। इस वादे से वित्तीय लक्ष्यों पर प्रभाव पड़ सकता है, जिससे निवेशकों और बाजार के प्रतिभागियों के बीच चिंता बढ़ गई है। दिसानायके का संदेश चुनावी मैदान में उनके समर्थकों और विपक्षियों के बीच चर्चा का विषय बन गया है, और उनकी आर्थिक नीतियों को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

दाहोद में 6साल की बच्ची से रेप की कोशिश के बाद नराधम आचार्य का गुनाह उजागर

दाहोद, 22 सितंबर

दाहोद स्कूल प्रिंसिपल ने की 6 साल के छात्र की हत्याः दो दिन पहले दाहोद में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई थी. इससे पहले स्कूल में क्लास में पढ़ने वाली छह साल की बच्ची का शव मिला था. घटना की जानकारी होने पर दाहोद पुलिस ने पूरे मामले की जांच की, जिसमें बड़ा खुलासा हुआ है. पुलिस जांच में यह बात सामने आई है कि स्कूल के प्रिंसिपल गोविंद नाथ ने ही बच्ची की हत्या की है. हालांकि पुलिस ने मामले में आगे की जांच की है.

पुलिस की जांच में पता चला कि गोविंद नाथ नाम के स्कूल के प्रिंसिपल ने बच्ची की हत्या की है. सुबह करीब 10 बजे स्कूल समय से पहले आचार्य गोविंद नाथ ने बच्ची को उसकी मां से लिया और गाड़ी में बिठाया. बाद में उसने कार में उसके साथ दुष्कर्म करने की कोशिश की। जब लड़की वहां चिल्लाई तो उसने उसे चिल्लाने से रोकने के लिए दो मिनट तक उसका गला दबाया, जिससे लड़की की कार में ही मौत हो गई. लड़की को पूरे दिन कार में रखा गया। चूंकि कार में काला शीशा है इसलिए कोई देख नहीं सकता कि कार के अंदर क्या है, कार को स्कूल में लाकर खड़ा कर दिया गया। स्कूल की छुट्टी होने के बाद प्रिंसिपल ने स्कूल के अंदर एक गड्ढा खोदकर उसे दफना दिया और पुलिस को गुमराह करने के लिए लड़की के जूते उसके क्लास रूम के बाहर छोड़ दिए गए। गोविंद नट ने पुलिस के सामने अपना अपराध कबूल कर लिया है और फिलहाल वह पुलिस हिरासत में है।

उसी वर्ष छात्रा ने दाहोद जिले के पिपलिया गांव के पास स्थित टोयानी प्राइमरी स्कूल में कक्षा 1 में प्रवेश लिया। तय कार्यक्रम के मुताबिक 19 सितंबर (गुरुवार) को सुबह 10 बजे छात्रा स्कूल के लिए निकली. लेकिन स्कूल का समय खत्म होने के बावजूद वह घर नहीं लौटी. तो परिजन चिंतित हो गए और तलाश शुरू कर दी।

छात्र के परिजन खोजबीन करने तोयानी प्राइमरी स्कूल पहुंचे, लेकिन स्कूल के मुख्य गेट पर ताला लगा था, इसलिए वे दीवार फांदकर अंदर घुस गये. जहां जांच के दौरान छात्र का शव स्कूल में मिला. बेटी का शव देखकर परिवार के पैरों तले जमीन खिसक गई और परिवार सदमे में आ गया. फिर परिजन छात्रा को लेकर अस्पताल पहुंचे, लेकिन डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की जानकारी मिलने के बाद दाहोद पुलिस की टीम समेत पुलिस का काफिला मौके पर पहुंचा. पुलिस ने आकस्मिक मौत की शिकायत दर्ज की और जांच चल रही है। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई कि छात्र की हत्या स्कूल के प्रिंसिपल ने ही की थी. इस मामले में पुलिस ने जांच के लिए 10 टीमें बनाईं. जांच के दौरान पुलिस ने शिक्षकों के भी बयान लिये. पुलिस ने प्रिंसिपल के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है.

सूरत में छिटपुट बारिश, चौमेर में ठंडकः जानिए अगले पांच दिनों के लिए कहां रहने का अनुमान?

सूरत,22 सितंबर

मौसम विभाग की ओर से अगले पांच दिनों तक राज्य में हल्की से भारी बारिश की भविष्यवाणी की गई है. जिसमें आज (22 सितंबर) को सूरत, नवसारी और वलसाड जिलों में भारी बारिश के पूर्वानुमान के कारण येलो अलर्ट की घोषणा की गई है, जबकि सूरत में लंबे समय से पड़ रही गर्मी के बाद शहर में ठंड बढ़ गई है. जबकि 25 से 27 सितंबर तक दक्षिण गुजरात के चार जिलों में भारी बारिश के कारण येलो अलर्ट घोषित किया गया है. आइए जानते हैं किस तरह की बारिश होगी।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, राज्य में सितंबर को मध्य और दक्षिण गुजरात के वडोदरा, छोटा उदेपुर, भरूच, नर्मदा, सूरत, तापी, डांग, नवसारी, वलसाड जिलों में कुछ छिटपुट स्थानों पर गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश होगी। लंबे समय की गर्मी के बाद सूरत में ठंडक फैल गई सूरत समेत दक्षिण गुजरात के कुछ जिलों में भारी बारिश के पूर्वानुमान के मुताबिक, शहर में सुबह-सुबह हुई बारिश के बाद शहर में ठंड बढ़ गई है.

जबकि साबरकांठा, अरावली, महिसागर, दाहोद, खेड़ा, आनंद, पंचमहल, गिर सोमनाथ, अमरेली, भावनगर जिलों के कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। मानसून की विदाई के दौरान जहां राज्य में मेघराज फिर से मेहरबान हो गया है, वहीं दक्षिण गुजरात के नवसारी, डांग, तापी, सूरत और वलसाड जिलों में 25 से 27 सितंबर तक भारी बारिश के कारण येलो अलर्ट जारी किया गया है।

सूरत ट्रेन पलटाने मामले में विभिन्न एजेंसियों के 140 जवानों ने पूरे इलाके की तलाशी ली

सूरत,22 सितंबर,

सूरत में ट्रेन को पटरी से उतारने की कोशिशः उत्तर प्रदेश में एक के बाद एक ट्रेन को पटरी से उतारने की कोशिश की घटनाएं सामने आ रही हैं। कुछ दिन पहले गुजरात के सूरत में ट्रेन को पटरी से उतारने की कोशिश की गई थी. हालांकि, रेलवे कर्मचारियों की सतर्कता के कारण बड़ी दुर्घटनाएं होती रहीं। सूरत में कीम-कोसंबा के बीच कीम खाड़ी के पुल पर शनिवार को ट्रेन पलटने के मामले की अब जांच तेज हो गई है. इस घटना के बाद से अधिकारियों और सिस्टम में हड़कंप मच गया है.

खिम के पास ट्रेन को पटरी से उतारने की साजिश के पीछे कौन है, इसका पता लगाने के लिए एनआईए, एटीएस, एसओजी, जीआरपी, एलसीबी, सूरत जिला पुलिस, रेलवे सुरक्षा बल, डॉग स्क्वायड समेत विभिन्न एजेंसियां और टीमें जांच में जुट गई हैं.

140 से ज्यादा पुलिसकर्मी घंटों से सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं. जिसमें 8 पीएसआई की निगरानी में 8 टीमें लगी हुई हैं. ट्रैक के पास की झाड़ियों, खेतों समेत आसपास के इलाकों को साफ किया जा रहा है। इसलिए सुबह से ही ड्रोन की मदद से निगरानी की जा रही है. वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौके पर मौजूद हैं.

पश्चिम रेलवे, वडोदरा डिवीजन ने शनिवार को एक वीडियो जारी कर कहा कि कुछ अज्ञात लोगों ने कीम रेलवे स्टेशन के पास उत्तर प्रदेश लाइन ट्रैक से फिश प्लेट और चाबियां खोलीं और ट्रैक पर छोड़ दिया। इसके बाद ट्रेनों का परिचालन रोक दिया गया। घटना की सूचना मिलने पर सूरत ग्रामीण और रेलवे अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और लाइन पर ट्रेन सेवा तुरंत शुरू कर दी।

आपको बता दें कि अज्ञात व्यक्तियों द्वारा अपलाइन पर रेलवे ट्रैक की सेफ्टी पिन (इलास्टिक रेल क्लिप) और फिश प्लेट को हटाकर पूरी ट्रेन को पलटने की साजिश का खुलासा हुआ है. 71 ईआरएस पैडलॉक और 2 जोगस फिश प्लेटें हटाकर ट्रैक पर लगा दी गईं। गश्त कर रहे सुभाष पोदार की सतर्कता से एक बड़ा हादसा और जनहानि टल गई। जब कीम स्टेशन के मास्टर को घटना की जानकारी मिली तो उन्होंने तुरंत गरीब रथ ट्रेन को कोसंबा रेलवे स्टेशन पर रोक दिया और एक बड़ा हादसा टल गया. उस वक्त पेट्रोलिंग कर रहे सुभाष पाडर ने भी 3 अनजान लोगों को रेलवे ट्रैक पर चलते देखा. सुबह करीब 5:20 बजे ट्रैक पर अज्ञात लोगों को देखकर लोगों ने उन्हें ललकारा तो वे तुरंत भाग निकले।

उत्तर प्रदेश में ट्रेनों को पलटने की कोशिश की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं. उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात जिले में आज रेलवे ट्रैक पर एक छोटा गैस सिलेंडर मिला, जिसकी चपेट में आ जाता तो बड़ी अनहोनी हो सकती थी. इसके अलावा कानपुर में कालिंदी एक्सप्रेस को पलटने की साजिश रची गई थी. जिसके लिए रेलवे ट्रैक पर एलपीजी सिलेंडर रखा गया था. इसके अलावा रेलवे लाइन के पास पेट्रोल और बारूद भी मिला. कुछ दिन पहले उत्तर प्रदेश के रामपुर में रेलवे ट्रैक पर सात मीटर लंबा खंभा रखकर काठगोदाम-देहरादून एक्सप्रेस ट्रेन को पलटने की कोशिश की गई थी. हालांकि लोको पायलट की टाइमिंग की वजह से बड़ा हादसा टल गया। वहीं कासगंज-फरुखाबाद रेलवे ट्रैक पर भटासा रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर बड़ी-बड़ी लकड़ियां रखी हुई थीं, जो एक पैसेंजर ट्रेन से टकराकर रुक गईं.

'250करोड़ की संपत्ति सिर्फ 37करोड़ में बेची गई' इस सहकारी समिति में घोटाला की आशंका-शक्ति सिंह गोहिल

सूरत ,22 सितंबर

सूरत जिले के मांडवी तालुका में मांडवी चीनी सहकारी समिति को एक निजी कंपनी को 37 करोड़ में बेचने का दावा किया गया है, जिसमें 250 करोड़ की संपत्ति की 100 बीघा भूमि मशीनरी संयंत्र भी शामिल है। गुजरात कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने इसे घोटाला बताया है और जांच की मांग की है. शक्तिसिंह गोहिल ने इस बारे में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर भी पोस्ट किया है. कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शक्ति सिंह गोहिल ने पूरे घोटाले की सीबीआई जांच की मांग की.

'250 करोड़ की संपत्ति 37 करोड़ में देने का घोटाला'

इस बारे में बात करते हुए शक्तिसिंह गोहिल ने कहा, 'दक्षिण गुजरात के मांडवी स्थित मांडवी शुगर कोऑपरेटिव सोसायटी की संपत्ति 100 बीघा जमीन, मशीनरी, प्लांट समेत 250 करोड़ की है, जिसे सिर्फ 37 करोड़ रुपये में बेचने का घोटाला किया जा रहा है. मण्डली में पचपन हजार सदस्यों की मण्डली है।इस समाज में 26 करोड़ किसान और 20.5 करोड़ सरकार है। बैंक ने 37 करोड़ निवेश करने की योजना बनाई, बैंक ने लोन देने से पहले जमीन का मूल्यांकन किया। जिसमें बैंक के वैल्यूएशन के मुताबिक सोसायटी की संपत्तियों की कीमत 250 करोड़ थी. सरफेसी एक्ट के तहत किसी भी परिस्थिति में सहकारी समिति की संपत्तियों को बेचा नहीं जा सकता है.' तो फिर बैंक ने जो नीलामी की है, उसकी मंजूरी कलेक्टर ने दी है या राज्य सरकार ने? शक्तिसिंह ने इसकी जांच की मांग की.

शक्तिसिंह गोहिल ने कहा कि सोसायटी के कानून के मुताबिक अगर कोई वित्तीय समस्या आती है तो सोसायटी को खत्म करना पड़ता है. सरफेस एक्ट में बैंक सीधी नीलामी कैसे कर सकता है. किसानों के हित के लिए आज तक किसी भी निजी कंपनी को गुजरात के सहकारी चीनी उद्योग में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई है। अगर कोई निजी कंपनी चीनी फैक्ट्री शुरू करना चाहती है तो उसे आईईएम से लाइसेंस लेना होगा। आज हमारे पास जुन्नर नाम की एक कंपनी है, लेकिन उसके पास लाइसेंस नहीं है।

सेवा कार्य हमारा कर्तव्य है और जो इसे निभाते हैं, उनके सारे कार्य आसानी से पूरे होते हैं : मुख्यमंत्री

- गांधीनगर में तेर गोळ गुरु ब्राह्मण समाज सेवा समिति की ओर से त्रिवेणी संगम कार्यक्रम आयोजित

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार को गांधीनगर के टाउन हॉल में तेर गोळ गुरु ब्राह्मण समाज सेवा समिति की ओर से आयोजित त्रिवेणी संगम कार्यक्रम में कहा कि सेवा कार्य हमारा कर्तव्य है, जो इस कर्तव्य को निष्ठापूर्वक निभा सकते हैं, उनके सारे कार्य आसानी से पूरे हो जाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी ज्ञान की सदी है। शिक्षा विकसित भारत के निर्माण में एक महत्वपूर्ण आधार बन रही है। विकसित भारत की दिशा को साकार करने की सफल गति शिक्षित समाज से ही प्रबल होती है। ऐसे में, हमें समाज के होनहार विद्यार्थियों को सम्मानित कर उन्हें विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए प्रोत्साहित करना होगा इसके साथ ही, उन्होंने नवनियुक्त कर्मचारियों को मिले समाज सेवा के अवसर का उल्लेख करते हुए यह उम्मीद जताई कि वे ईमानदारी से अपना कर्तव्य निभाकर समाज के लिए उपयोगी सिद्ध होंगे। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि समाज के सेवानिवृत्त कर्मचारियों, नवनियुक्त कर्मचारियों तथा कक्षा 10वीं और 12वीं के तेजस्वी विद्यार्थियों के सम्मान का सुंदर समन्वय ही त्रिवेणी संगम कार्यक्रम को चरितार्थ करता है। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की प्रगति की नींव में शिक्षा का महत्वपूर्ण स्थान है। शिक्षा मिलने से ही समाज अपने पैरों पर खड़ा होकर आत्मनिर्भर बन सकता है।

प्रधानमंत्री के सान्निध्य में अंत्योदय विकास की जो लहर चली है, उसे सफल बनाने के लिए शिक्षा अत्यंत आवश्यक है। भूपेन्द्र पटेल ने गुरु ब्राह्मण समाज के परंपरागत पेशे ज्योतिष विद्या और कर्मकांड का उल्लेख करते हुए यह आशा व्यक्त की कि इस पेशे में शिक्षा को जोड़कर विकसित गुजरात के निर्माण में हर कोई अपना योगदान देगा और केवल गुजरात ही नहीं, बल्कि भारत को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने में सहयोगी बनेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने तेर गोळ गुरु ब्राह्मण समाज के राज्य सरकार के सेवानिवृत्त और नवनियुक्त कर्मचारियों तथा कक्षा 10वीं और 12वीं के तेजस्वी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में सांसद हसमुख पटेल, मयंक नायक, ईडर के विधायक रमणलाल वोरा, पूर्व विधायक रजनी पटेल और गुरु ब्राह्मण समाज के अग्रणी उपस्थित रहे।

जाली नोटो की छपाई के गोरखधंधे का पर्दाफाश,चार आरोपि गिरफ्तार

सूरत (ईएमएस) शहर के योगी चौक इलाके में जाली नोटो की छपाई के गोरखधंधे का पर्दाफाश करते हुए एसओजी ने 4 शख्सों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही दो लाख रुपए के नकली नोट के अलावा कंप्यूटर, प्रिंटर, मोबाइल समेत अन्य सामग्री भी जब्त कर ली। जानकारी के मुताबिक सूरत एसओजी ने जाली नोट छापे जाने की जानकारी मिलते ही तत्काल कार्रवाई करते हुए सूरत के योगी चौक के एप्पल चौराहे के निकट छापेमारी कर राहुल, भावेश, पवन और मास्टरमाइंड सागर राठौड़ समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। एसओजी ने घटनास्थल से 100 रुपए के एक लाख नकली नोट समेत 2 लाख रुपए के नकली नोट जब्त किए हैं। इन नोटों को असली नोट का स्कैन कर कलर प्रिंटर द्वारा तैयार किया गया था और इन नोटों को बाजार में भुनाने की योजना थी।।

गांवों में बनेंगी बारहमासी कंक्रीट की सड़कें, 787 पंचायत स्वामित्व वाली सड़कों के लिए सरकार ने दिये रुपये 668 करोड़ स्वीकृत

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के जिलों में ग्रामीण क्षेत्रों से गुजरने वाली पंचायत के अधीन आने वाली सड़कों को कंक्रीट रोड बनाने का ग्रामीण जनसुविधा उन्मुख महत्वपूर्ण निर्णय किया है। उल्लेखनीय है कि राज्य के गांवों से गुजरने वाली ऐसी सड़कें, जो गांव की आबादी भूमि से जुड़ी हैं, वहां जलभराव होने तथा यातायात के अधिक दबाव के कारण डामर रोड की सतह लगातार क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस समस्या के स्थाई और दीर्घकालिक निवारण के रूप में 'सुविधा पथ' के अंतर्गत गांव की आबादी भूमि जितनी लंबाई में 5.50 मीटर चौड़ी या उपलब्ध चौड़ाई में कंक्रीट रोड बनाने के लिए कुल 668.30 करोड़ रुपए के आवंटन को मंजूरी दी है। इतना ही नहीं, जहां कंक्रीट रोड बनाना संभव नहीं है, ऐसी जगहों पर पेवर ब्लॉक का काम किया जाएगा। सुविधा पथ के अंतर्गत राज्य में कुल 1020.15 किमी लंबाई की 787 सड़कों को कंक्रीट रोड बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में राज्य सरकार लोगों की जीवन जीने की सुगमता (ईज ऑफ लिविंग) में वृद्धि के साथ-साथ सुदूर और अंदरूनी ग्रामीण क्षेत्रों तक सुविधापूर्ण रोड नेटवर्क प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस संदर्भ में मुख्यमंत्री द्वारा राज्य के गांवों को सुविधा पथ की सहूलियत प्रदान करने के लिए किए गए 668 करोड़ रुपए के इस आवंटन के परिणामस्वरूप ग्रामीण आबादी को ऐसी बारहमासी कंक्रीट सड़कें उपलब्ध होंगी, जो बेहतर सतह वाली तथा अधिक टिकाऊ होंगी। साथ ही, इन सड़कों में वर्षा ऋतु के दौरान भी कोई दिक्कत नहीं होगी।

मानसून की बारिश में शहर की सड़कें जर्जर हो जाती हैं। तो सोचिए गांव की सड़कों का क्या हाल होगा. लेकिनअबराज्य सरकार ने शहर की तरह राज्य के गांवों की कुछ सड़कों को भीपक्का करने का फैसला किया है. सुविधा पथ योजना के तहत राज्य के जिलों में ग्रामीण क्षेत्रों से गुजरने वाली पंचायत स्वामित्व वाली सड़कों कोपक्कीसड़कें बनाई जाएंगी। जिसके लिए राज्य के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने 668.30 करोड़ रुपये की मंजूरी देदी है.ग्रामीण सड़कों पर जल जमाव या भारी वाहन यातायात के कारण डामर सड़क की सतह अक्सर क्षतिग्रस्त हो जाती है। जिसके चलते बरसात के मौसम में भी चलने वाली बारहमासी सड़क बनाने का यह अहम फैसला लिया गया है. राज्य सरकार गांवों केग्राम तल की लंबाई में 5.50 मीटर या आवश्यक चौड़ाई की कंक्रीट सड़कों का निर्माण कराएगी।

जहां कंक्रीट सड़क बनाना संभव नहीं है, वहां पेवर ब्लॉक लगाकर पक्की सड़क भी बनायी जायेगी. जिसमें ग्रामीण क्षेत्र की कुल 1020.15 कि.मी. सरकार ने इस मार्ग पर 787 सड़कों पर कंक्रीट की सड़कें बनाने की योजना बनाई है।

कपड़ा व्यापारी के 5 करोड़ की लूट केस में 4 आरोपी गिरफ्तार, 4.54 करोड़ भी पुलिस ने बरामद किए

सूरत (ईएमएस) सूरत में एक व्यापारी से पांच करोड़ रुपए की लूट के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही लूटे गए रुपयों में से रु. 4.54 करोड़ की रकम भी बरामद कर ली है। लुटेरे उस समय दबोच लिए गए, जब लूट को अंजाम देने के बाद मुंबई की ओर भाग रहे थे। रास्ते में दक्षिण गुजरात के वलसाड में एक कार से 3 और दूसरी कार से 1एक आरोपी गिरफ्तार कर लिया गया। जबकि अन्य फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। जानकारी के मुताबिक सूरत के रांदेर क्षेत्र में रहनेवाले हरिश बंकावाला नामक कपड़ा व्यापारी से रु. 5 करोड़ की नकदी लूटकर अज्ञात शख्स फरार हो गए थे। कपड़ा व्यापारी ने 100 नंबर कॉल कर पुलिस को घटना की सूचना दी। खबर मिलते ही पुलिस हरकत में आ गई और लूट को अंजाम देने वाले सभी आरोपियों को पकड़ने के लिए पूरे राज्य की पुलिस को अलर्ट कर दिया। दूसरी ओर लुटेरे इनोवा और अमेज कार में सवार होकर वलसाड से मुंबई जा रहे थे। तभी वलसाड पुलिस नाकाबंदी में इनोवा कार को रोककर तलाशी ली गई तो उसमें से 4.54 करोड़ रुपये मिले। हांलाकि लुटेरों ने इनोवा कार का नंबर भी बदल दिया था। इसके बावजूद वलसाड पुलिस ने अपनी सूझबूझ से उसे बगवाड़ा चेक पोस्ट से पकड़ लिया। लुटेरों में से एक कयूबपासा शेख भिवंडी का रहने वाला है और दूसरा आरोपी शैलेन्द्र सिंह कुंजबिहारी जोगेश्वरी का रहने वाला है। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला कि डकैती के मामले में तीन और लोग शामिल थे। पुलिस ने उन्हें पकड़ने के लिए कवायद तेज कर दी है। दरअसल भिलाड चेक पोस्ट के पास लुटेरों की अमेज कार एक टैंकर के पीछे से टकरा गई। जिसमें एक लुटेरा गंभीर रूप से घायल हो गया था। जिसे सूरत के न्यू सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दो लोगों को मामूली चोटें आई थीं, जिन्हें डिस्चार्ज होते ही गिरफ्तार कर लिया गया। इस पूरे मामले में अब तक चार लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है और इस मामले के फरार आरोपियों की सरगर्मी से तलाश की जा रही है।

संपत्ति मूल्यांकन में दो लाख की रिश्वत लेते एसीबी ने तलाटी को पकड़ा

भुज,22 सितंबर

अंतरराष्ट्रीय मंच पर भ्रष्टाचार मुक्त भारत की चर्चा के बीच कुकमा में मकान का मूल्यांकन ग्राम पंचायत की किताब में दर्ज करने के बदले चार लाख रुपये की रिश्वत मांगने और दो लाख रुपये एडवांस लेने वाला आरोपी फंस गया है. पंचायत के बीच में तलाटी और पंचायत सदस्य बिचौलियों के माध्यम से रिश्वत लेते हैं। इस संबंध में रिश्वत निरोधक शाखा ने कहा, शिकायत कर्ता ने संपत्ति मूल्यांकन के संबंध में कुकमासमूहग्राम पंचायत के तलाटी वाघसिंह तेजसिंह वाघेला (वर्ग-03) और पंचायत सदस्य उत्तम शिवलाल राठौड़ से संपर्क किया।

दोनों ने चार लाख रुपये की रिश्वत की मांग की, जिसमें से दो लाख रुपये अग्रिम रूप से नकद देने थे, जब शिकायतकर्ता ने भुज एसीबी पुलिस स्टेशन से संपर्क किया और जाल बिछाया गया।

तलाती और पंचायत सदस्य ने नीरव विजय परमार से व्यक्तिगत रूप से पैसे लेने के बजाय गांव के बस स्टेशन के पास दाबेली लॉरी चलाते समय नीरव विजय परमार को पैसे सौंपने के लिए कहा। इतना पैसा दिया गया कि एसीबी ने तुरंत कार्रवाई करते हुए ऐसे बिचौलियों और ठगों को पकड़ लिया. हालांकि, उत्तम राठौड़ शामिल नहीं थे.

एसीबी, सीमा इकाई के सहायक निदेशक के.एच. गोहिल के मार्गदर्शन में प्रभारी पीआई एलएस चौधरी और उनकी टीम ने एक सफल जाल बिछाया. एसीबी की छापेमारी के बाद एक बार फिर भ्रष्ट सरकारी कर्मचारियों में हड़कंप मच गया है.

कोर्ट ने दो साल पुराने हत्या के मामले में भाजपा नेता के पति को सुनाई आजीवन कारावास की सजा

भरुच (ईएमएस) शहर के शक्तिनाथ इलाके में दो साल पहले भाजपा नेता के पति ने आपसी झगड़े में अपने ही दोस्त पर चप्पू से वार कर उसका पेट फाड़ दिया था। जबकि दूसरे दोस्त की जांघ पर चाकू मारकर उसे भी घायल कर दिया था। इस मामले में भरूच कोर्ट ने आरोपी को हत्या और हत्या के प्रयास के अपराध में आजीवन कारावास की सजा सुनाई। दो साल पुरानी इस घटना पर नजर डालें तो भरूच में भाजपा की महिला नेता के पति कर्त्तव्य उर्फ मोंटू प्रवीण राणा का साल 2022 में अपने दोस्त मेहुल से मामूली बात पर झगड़ा हो गया था। जिसके बाद मेहुल अपने दोस्त प्रिंस महंत और ध्रुव चौहान के साथ शक्तिनाथ के पास पहुंचा था। उसी दौरान कर्तव्य ने अपने पास मौजूद चाकू से मेहुल पर हमला कर दिया। इस हमले में पेट में चाकू लगने से प्रिंस की आंतें बाहर आ गईं। हमले में गंभीर रूप से घायल प्रिंस ने अस्पताल में 13 दिन के इलाज के बाद दम तोड़ दिया। भरूच की मुख्य जिला न्यायालय ने सरकारी वकील की दलीलों, सभी सबूतों को स्वीकार कर लिया। पहले दोनों पक्षों में मामला सुलझ गया था। हालाँकि हत्या के गंभीर अपराध में मृतक के मृत्युपूर्व बयान के आधार पर कोर्ट ने कर्त्तव्य राणा को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। बताया जाता है कि इस घटना के घटित होने से से पहले शराब तस्करी सहित कई अपराध कर्तव्य राणा के खिलाफ दर्ज थे।

मिरिंगो सीआईएमएस अस्पताल, अहमदाबाद ने रोग के शीघ्र निदान और उचित उपचार की वकालत करते हुए विश्व अल्जाइमर दिवस मनाया।

अहमदाबाद,20 सितंबर मिरिंगो सीआईएमएस अस्पताल अहमदाबाद ने सामाजिक कलंक मानी जाने वाली बीमारी के खिलाफ लड़ाई में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाने और बीमारी के बारे में सार्वजनिक जागरूकता पैदा करने की वकालत करते हुए विश्व अल्जाइमर दिवस मनाया। जैसा कि विश्व अल्जाइमर दिवस 20 सितंबर 2024 को दुनिया भर में मनाया जाता है, मिरिंगो सीआईएमएस अस्पताल अहमदाबाद इस बीमारी से प्रभावित व्यक्तियों और अल्जाइमर रोग से पीड़ित परिवारों के लिए जागरूकता और समर्थन बढ़ाने के लिए वैश्विक समुदाय में शामिल हो गया है।

अल्जाइमर रोग धीरे-धीरे विकसित होने वाला मस्तिष्क विकार है जो रोगी की स्मृति और संज्ञानात्मक क्षमताओं को धीरे-धीरे क्षीण करता है। मनोभ्रंश वृद्ध वयस्कों में रुग्णता का प्रमुख कारण है, और यह विश्व स्तर पर लाखों लोगों को प्रभावित करता है। हालाँकि वर्तमान में इस बीमारी का कोई इलाज नहीं है, जागरूकता बढ़ाने और निवारक रणनीतियों को अपनाने से सार्थक प्रभाव पड़ सकता है। अल्जाइमर रोग तब होता है जब मस्तिष्क में कुछ प्रोटीन जमा होकर 'प्लेक' और 'टेंगल्स' नामक संरचनाएं बनाते हैं। इससे तंत्रिका कोशिकाओं के बीच संबंध नष्ट हो जाते हैं और अंततः ये कोशिकाएं मर जाती हैं और मस्तिष्क

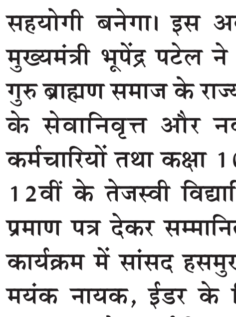

के ऊतकों [illegible] नुकसान पहुंचाती हैं।

[illegible] रोग के [illegible] लक्षणों में स्मृति हानि शामिल है जो रोगी के दैनिक जीवन को बाधित करती है, और व्यक्ति को योजना बनाने या समस्याओं को हल करने में कठिनाई होती है, परिचित कार्यों को पूरा करने में कठिनाई होती है, समय या स्थान के बारे में भ्रम होता है, दृश्य धारणा की समस्याएं बढ़ जाती हैं, बोलते समय शब्द ढूंढने में समस्या होती है लिखना, वस्तुओं की गलत व्याख्या करना और पहचानना, कदम पीछे खींचना, निर्णय लेने में समस्याएँ, काम या सामाजिक गतिविधियों में रुचि की हानि और मनोदशा और व्यक्तित्व में बदलाव।

किसी व्यक्ति की उम्र और आनुवंशिकी अल्जाइमर के जोखिम में प्रमुख भूमिका निभाते हैं, लेकिन जीवनशैली कारक भी मस्तिष्क स्वास्थ्य को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकते हैं। अल्जाइमर को रोकने में मदद करने वाले कारकों में से; नियमित व्यायाम करें और मस्तिष्क में रक्त और ऑक्सीजन का प्रवाह बढ़ाएं; फलों, सब्जियों, साबुत अनाज, प्रोटीन और स्वस्थ वसा (जैसे भूमध्यसागरीय आहार) से भरपूर आहार इस बीमारी के खतरे को कम कर सकता है; संज्ञानात्मक रूप से उत्तेजक गतिविधियों जैसे पढ़ना, पहेलियाँ सुलझाना, या नए कौशल या भाषाएँ सीखना सबसे महत्वपूर्ण चीजों में से एक है जो हमें अल्जाइमर रोग से बचने में मदद कर सकती है। किसी को व्यक्तिगत रूप से सामाजिक रूप से जुड़े रहना चाहिए (लेकिन सोशल मीडिया पर नहीं) और यह मस्तिष्क स्वास्थ्य और संज्ञानात्मक कार्य का समर्थन करता है। अन्य प्रभावशाली कारक गुणवत्तापूर्ण नींद होना चाहिए, और इस लक्ष्य के लिए प्रतिदिन 7-8 घंटे की गहरी नींद की आवश्यकता होती है; और लंबे समय तक तनाव और इस तनाव को प्रबंधित न कर पाने से मस्तिष्क को नुकसान हो सकता है, इसलिए ध्यान या योग जैसी तनाव कम करने वाली तकनीकों को अपनाना चाहिए। आनुवंशिक प्रवृत्ति वाले व्यक्ति को रक्तचाप, कोलेस्ट्रॉल और मधुमेह जैसी बीमारियों की निगरानी और नियंत्रण करके हृदय संबंधी जोखिम कारकों का भी प्रबंधन करना चाहिए; धूम्रपान और अत्यधिक शराब के सेवन से बचना चाहिए; समग्र स्वास्थ्य और संज्ञानात्मक कार्य की निगरानी के लिए डॉक्टर के पास नियमित रूप से जाना भी आवश्यक है।

पश्चिम रेलवे चलाएगी वन-वे स्पेशल ट्रेनें

अहमदाबाद,22 सितंबर

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से उधना एवं हिसार तथा वडोदरा एवं हिसार के बीच विशेष किराए पर वन-वे स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

1.ट्रेन संख्या 09037 उधना-हिसार स्पेशल (01 फेरा) मंगलवार, 24 सितंबर, 2024 को उधना से 22.55 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 21.30 बजे हिसार पहुंचेगी। यह ट्रेन मार्ग में सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, मारवाड़, ब्यावर, अजमेर, फुलेरा, रींगस, नारनौल, रेवाड़ी और भिवानी स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

2.ट्रेन संख्या 09137 वडोदरा-हिसार स्पेशल (01 फेरा) बुधवार, 25 सितंबर, 2024 को वडोदरा से23.45बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 20.30 बजे हिसार पहुंचेगी। यह मार्ग में ट्रेन आणंद, अहमदाबाद, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, मारवाड़, ब्यावर, अजमेर, फुलेरा, रींगस, नारनौल, रेवाड़ी और भिवानी स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेनसंख्या09037एवं 09137 की बुकिंग 23.09. 2024 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआर सीटीसीवेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry .iåianrail.gov.iह पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

सयाजी होटल्स ने केवडिया में सयाजी द्वारा नई संपत्ति एनराइज के लॉन्च के साथ अपने आतिथ्य पदचिह्न का विस्तार किया है

केवडिया, सितंबर, 2024 - सयाजी होटल्स ने सयाजी केवडिया द्वारा एनराइज़ के लॉन्च की घोषणा की है, जो प्रीमियम आतिथ्य और सेवा आवास के अपने विस्तारित पोर्टफोलियो में नवीनतम अतिरिक्त है। केवडिया के सुरम्य शहर में स्थित, विश्व प्रसिद्ध स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का घर, एनराइज केवडिया पारंपरिक भारतीय आतिथ्य की समृद्ध विरासत के साथ आधुनिक सुविधाओं का संयोजन करके एक अनूठा अनुभव प्रदान करता है। पेशेवरों और छुट्टियाँ मनाने वालों दोनों के लिए डिज़ाइन की गई यह संपत्ति गुजरात के सबसे अधिक देखे जाने वाले स्थलों में से एक में असाधारण प्रवास का वादा करती है।

रिज़ॉर्ट को मेहमानों को आरामदायक और शांत वातावरण प्रदान करने के लिए सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किया गया है। प्रत्येक कमरे को सावधानीपूर्वक तैयार किए गए आवास के रूप में माना जाता है, एक स्वागत योग्य और परिष्कृत वातावरण बनाने के लिए आधुनिक साज-सज्जा के साथ सुरुचिपूर्ण आंतरिक सज्जा का मिश्रण किया जाता है; जो गुणवत्ता के प्रति ब्रांड की प्रतिबद्धता और विस्तार पर ध्यान को दर्शाता है। होटल मेहमानों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन की गई सुविधाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। परिवारों

के लिए एक गतिशील खेल क्षेत्र से लेकर एक ताज़ा स्विमिंग पूल तक, सयाजी केवडिया द्वारा एनराइज सभी प्रकार के यात्रियों की जरूरतों को पूरा करता है। इसके अतिरिक्त, इवेंट-अनुकूल स्थान इसे एमआईसीई कार्यक्रमों और/या सभी प्रकार के सामाजिक समारोहों के लिए आदर्श स्थान बनाते हैं।

एनराइज केवडिया का एक प्रमुख आकर्षण सांची रेस्तरां में इन-हाउस भोजन का अनुभव है, जहां मेहमान परिष्कृत भारतीय और अंतरराष्ट्रीय स्वादों से भरे व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं। रेस्तरां एक विविध मेनू प्रदान करता है, जिसमें प्रत्येक व्यंजन उत्कृष्टता के साथ तैयार किया जाता है, जो इसे क्षेत्र की समृद्ध भारतीय विरासत को प्रदर्शित करने वाला एक अविस्मरणीय भोजन अनुभव बनाता है।

एनराइज केवडिया के लॉन्च के अवसर पर बोलते हुए, सयाजी होटल्स के बिजनेस डेवलपमेंट के महाप्रबंधक, श्री दिनेश दहिया ने कहा, ठहम अपनी प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक महत्व के लिए जाने जाने वाले केवडिया में सयाजी अनुभव द्वारा एनराइज लाकर खुश हैं। सयाजी होटल्स, हमारा उद्देश्य हमेशा ऐसे स्थान बनाना रहा है जहां मेहमान घर जैसा महसूस कर सकें और आराम और विश्राम का अनुभव कर सकें, एनराइज केवडिया इस दृष्टिकोण का प्रतीक है, आधुनिक सुविधाओं और गर्मजोशी भरे आतिथ्य का सामंजस्यपूर्ण मिश्रण पेश करता है। हम दुनिया भर के यात्रियों का स्वागत करते हैं और इस अद्भुत क्षेत्र के चमत्कारों का हम आनंद लेने के लिए एक यादगार प्रवास प्रस्तुत करने के लिए तत्पर हैं।ठ

चाहे यात्री किसी कॉर्पोरेट कार्यक्रम के लिए केवडिया में हों या भारत के प्रसिद्ध आकर्षणों का पता लगाने के लिए, सयाजी केवडिया द्वारा एनराइज़ आराम और विनीत सेवा का एक सहज मिश्रण प्रदान करता है, जो इसे एक आदर्श प्रवास बनाता है, जहाँ सुविधा और आतिथ्य दोनों पनपते हैं।

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वडोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96